राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# स्वतंत्र प्रभात

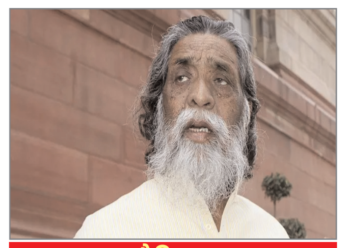

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com ) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, बुधवार, 15 अक्टूबर 2025
वर्ष 14, अंक 183, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

धरने का कारण बना एडीओ पंचायत की लापरवाही- सरोज सिंह..03

लोकायुक्त छापा कार्यवाही के बाद समिति प्रबंधक पर कोई असर नही..04

# दुर्गापुर गैंगरेप केस- क्या बंगाल में लगेगा राष्ट्रपति शासन? राज्यपाल के बयान से गरमाई सियासत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दुर्गापुर में गैगरेप की पीड़िता से मिलने के बाद बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने कहा कि बंगाल की जनता राष्ट्रपति शासन चाहती है. संबंधित अधिकारियों के पास संवैधानिक शक्तियां हैं. लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि वह इस बारे में सार्वजनिक रूप से कुछ नहीं कहेंगे. हालांकि, उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि उचित कार्रवाई की जाएगी. राज्यपाल के बयान से राज्य की सियासत गरमा गई है. इससे यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि क्या राज्यपाल राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की सिफारिश करेंगे।

राज्यपाल का इशारा साफ है, जिस तरह से राज्य में बलात्कार की घटनाएं हो रही हैं. कई जगहों पर असामाजिक गतिविधियों के आरोप लग रहे हैं और बंगाल में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठ रहे हैं।

**राज्यपाल के बयान से गरमाई सियासत**

राज्यपाल की टिप्पणी पर तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता अरूप चक्रवर्ती ने कहा, "राज्यपाल बहुत अनुभवी और वरिष्ठ व्यक्ति हैं. मुझे लगता है कि बंगाल की जनता राष्ट्रपति शासन लागू नहीं होने देगी और भाजपा के पास संसद में दो-तिहाई बहुमत नहीं है।"

दूसरी ओर, भाजपा विधायक शंकर घोष ने कहा, "संवैधानिक प्रमुख ने अपना बयान दे दिया है, इस पर केवल वही लोग चर्चा करेंगे, जिनकी इसमें रुचि है. बंगाल में ध्वस्त कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक स्थिति ने बंगाल की जनता के सामने वर्तमान सरकार पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है. यह संवैधानिक प्रमुख के चेहरे पर झलकता है."

राज्यपाल ने दुर्गापुर के निजी अस्पताल में पीड़िता से मुलाकात की, जहां उसका इलाज चल रहा है. उन्होंने पीड़िता के परिवार के सदस्यों से भी मुलाकात की. दुर्गापुर जाने से पहले हावड़ा में जब उनसे राज्य की कानून-व्यवस्था के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि वे पहले पीड़िता से बात करेंगे और पूरी बात जानेंगे, उसके बाद ही कोई टिप्पणी करेंगे. पीड़िता से बात करने के बाद, बंगाल के राज्यपाल ने अहम बयान दिया।

**अब तक पांच लोगों को किया गया है गिरफ्तार**

दूसरी ओर, दुर्गापुर गैंगरेप मामले में पुलिस घटना का पुनर्गठन किया. पुलिस ने पहले घटना में गिरफ्तार एक आरोपी की पहचान की. पहचान के बाद, पुलिस बाकी चार आरोपियों को भी लाएगी. पीड़िता के सहपाठी को भी ले जाया जा सकता है. पुलिस ने रात भर गिरफ्तार लोगों से पूछताछ की. गिरफ्तार लोगों में से दो को उनके घर ले जाया गया. पुलिस उनके घर से भी सुराग तलाश रही है.

पुलिस का कहना है कि आरोपी के बयान का मिलान सहपाठी के बयान से किया जाएगा. पता चला है कि दो लोगों की मदद से घटना को अलग-अलग रीकंस्ट्रक्ट किया जाएगा. जांचकर्ता सहपाठी के घटनास्थल की जांच कर रहे हैं।

**आरोपियों में एक तृणमूल कांग्रेस नेता का बेटा!**

पुलिस ने अब तक इस घटना में कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया है. इनमें से एक ने इलाके के एक तृणमूल नेता का बेटा होने का दावा भी किया है. विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने कहा, "गिरफ्तार किए गए लोगों में एक तृणमूल का कार्यकर्ता है. उसके पिता पार्टी में मंत्री हैं."

शुभेंदु ने कहा, "इस घटना को लेकर अब तक कई तरह की बातें सामने आ चुकी हैं, आज एक नई बात सामने आई है कि इस सामूहिक बलात्कार में तृणमूल कांग्रेस के पदाधिकारी सीधे तौर पर शामिल हैं. जहां शासक ही शोषक हो, वहां कानून और न्याय के लिए कोई जगह नहीं होती।"

पीड़िता की मेडिकल रिपोर्ट में पहले ही बलात्कार के संकेत मिल चुके हैं. रिपोर्ट में डॉक्टरों ने बताया है कि गुप्तांग पर निशान हैं. गुप्तांग के अंदर की त्वचा फट गई है. भारी रक्तस्राव भी हुआ है।

# बिहार चुनाव से पहले NDA ने कराया गुपचुप सर्वे, नतीजों से किसकी बढ़ी धड़कन, किसे अपर हैंड?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिहार विधानसभा चुनाव में इस बार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) और विपक्षी महागठबंधन के बीच कांटे की टक्कर दिख रही है. एक आंतरिक सर्वे में खुलासा हुआ है कि दोनों गुटे के बीच वोट शेयर में महज एक प्रतिशत का फासला हो सकता है. यह सर्वे सत्ताधारी एनडीए गठबंधन ने ही करवाया है, जिसे देखकर पार्टी नेताओं की धड़कन बढ़ गई है. 'हिंदुस्तान टाइम्स' की रिपोर्ट के मुताबिक, एनडीए के इस आतंरिक सर्वे में उसे मामूली बढ़त मिलती दिख रही है. सर्वे के मुताबिक, उसे इस बार राज्य की 243 सदस्यीय विधानसभा में 130 सीटें मिल सकती हैं. सर्वेक्षण में शामिल 65% लोगों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व पर भरोसा जताया है, जबकि चुनावी रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी को लगभग 9% वोट शेयर मिलने की संभावना दिखाई गई है।

**कांग्रेस के सर्वे में भी झटका**

इस तरह की एक शुरुआती जमीनी सर्वे कांग्रेस ने भी कराया था, जिसमें पता चला कि सीएम नीतीश के खिलाफ इस बार वैसे सत्ता विरोधी लहर नहीं दिख रही है. विपक्ष ने 74 वर्षीय मुख्यमंत्री पर भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और स्वास्थ्य को लेकर हमले

तेज कर दिए हैं. आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार की स्वास्थ्य स्थिति को लेकर भी सवाल उठाए हैं. वहीं, प्रशांत किशोर लगातार राज्य सरकार के मंत्रियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं. बावजूद इसके, सर्वे में केवल 31 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने माना कि नीतीश कुमार का कार्यकाल निराशाजनक रहा है. सर्वे में विपक्षी महागठबंधन को 102 से 107 सीटें, जबकि अन्य दलों (जन सुराज सहित) को दो से तीन सीटें मिलने की संभावना जताई गई है. यह स्थिति 2020 जैसी हो सकती है, जब चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी ने केवल एक सीट जीती थी, लेकिन कई सीटों पर जेडीयू उम्मीदवारों को नुकसान पहुंचाया था.

हालांकि, यहां यह भी ध्यान देने वाली बात है कि ऐसे आंतरिक सर्वे में आम तौर पर उसी दल को फायदा दिखाया जाता है, जिसने उन्हें कराया हो. इसके अलावा, बिहार जैसे विविधता भरे जातीय और सामाजिक ढांचे वाले राज्य में कई बार ऐसे सर्वे असल नतीजों से भटक चुके हैं. इसलिए इन्हें केवल राजनीतिक रुझान और माहौल का संकेतक माना जा सकता है, न कि अंतिम भविष्यवाणी।

**सर्वे देखकर जदयू बम-बम**

हिन्दुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, जेडीयू के विधान परिषद सदस्य नीरज कुमार ने कहा कि लोग देख रहे हैं कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में गांव-गांव तक विकास हुआ है. उन्होंने कहा, 'तेजस्वी यादव हर परिवार को सरकारी नौकरी देने का वादा कर रहे हैं, जो न तो व्यावहारिक है, न संभव. वहीं, हमारी सरकार जीविका दीदी योजना के तहत हर महिला को 10,000 रुपये दे रही है. हमने महिलाओं को लगातार सशक्त किया है.' कांग्रेस के टिकट के दावेदार और पूर्व चुनाव रणनीतिकार शशांक शेखर ने कहा कि एनडीए फिलहाल आगे है, लेकिन प्रशांत किशोर की लोकप्रियता 6-7 प्रतिशत तक सीमित रहेगी. उन्होंने आरोप लगाया कि किशोर रणनीतिक रूप से ऐसे उम्मीदवार उतारेंगे जो महागठबंधन के वोट काटेंगे, लेकिन जनता 'उनकी चाल' को समझ चुकी है. बता दें कि 2020 के विधानसभा चुनाव में एनडीए ने 125 सीटें, जबकि विपक्षी महागठबंधन ने 110 सीटें जीती थीं. उस समय दोनों गठबंधनों के वोट शेयर में मात्र 0.03 प्रतिशत का अंतर था. इस बार भी मुकाबला उतना ही रोमांचक होने की संभावना है।

## संक्षिप्त ख़बरें

### गजब! एक महीने का बिजली बिल आया 15136008 करोड़ रुपए, देख हलवाई के उड़े होश

बिजली विभाग की लापरवाही के कारण अक्सर उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ता है. कई बार ऐसे मामले सामने आते हैं जहां बिना कनेक्शन के ही लोगों को हजारों रुपये का बिजली बिल थमा दिया जाता है, या फिर छोटे उपभोक्ताओं का बिल लाखों या फिर करोड़ों का बिल में आ जाता है. ऐसा ही एक मामला हरियाणा के पंचकूला जिले के बरवाला क्षेत्र के ककराली गांव में एक हलवाई की दुकान से आया है. यहां दुकान चलाने वाला दुकानदार उस समय दंग रहा गया, जब उसने अपना ऑनलाइन बिजली का बिल देखा. उसने चेक किया तो उसका एक महीने का बिजली बिल 1 करोड़ 51 लाख 36 हजार आठ रुपए का था।

**दुकानदार ने की शिकायत**

इसके बाद दुकानदार ने अपने बिल नंबर 191287392772 को तीन बार चेक किया, लेकिन हर बार बिल 1,51,36008 करोड़ रुपए ही दिखा. दुकानदार ने बताया कि कुछ हजार रुपए का ही बिल आता था. इस बार इतनी बड़ी राशि देखकर उसे यकीन नहीं हुआ. मामले में दुकानदार ने अभी तक बिल का भुगतान नहीं किया है. उसने इसकी शिकायत बिजली विभाग को की है. बिल सही होने के बाद भुगतान किया जाएगा।

**लोगों ने क्या कहा?**

इस घटना पर स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग के उपर सवाल उठाए हैं. उनका कहना है कि इस तरह की लापरवाही से उपभोक्ताओं को न केवल आर्थिक परेशानी झेलनी पड़ती है, बल्कि उन्हें अनावश्यक मानसिक तनाव का भी सामना करना पड़ता है।

**विभाग ने मानी गलती**

वहीं, जब यह मामला बिजली विभाग के संज्ञान में आया, तो विभाग के एसडीओ(SDO) ने अपनी प्रतिक्रिया दी. उन्होंने स्वीकार किया कि यह बिल गलत जारी हुआ है. एसडीओ ने बताया कि मामला उनकी जानकारी में है और बिल को सुधारने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दे दिए गए हैं. उन्होंने उपभोक्ता को आश्वस्त किया है कि आने वाले 10 दिन के अंदर बिल को सही कर दिया जाएगा।

# हरियाणा के IPS वाई पूरन कुमार के गनमैन पर वसूली के आरोपों की जांच कर रहे ASI ने भी दी जान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**चंडीगढ़-** हरियाणा के एडीजीपी वाई पूरन कुमार केस से जुड़ी बड़ी खबर है. एडीजीपी के गनमैन को वसूली के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और जो एएसआई संदीप कुमार इस मामले की जांच कर रहा था, उसने भी अब सुसाइड करक लिया है. बताया जा रहा है कि रोहतक में साइबर सेल में तैनात एएसआई संदीप कुमार ने खुद को गोली मारकर की आत्महत्या कर ली है. उसने भी तीन पेज का सुसाइड नोट और एक वीडियो मैसेज भी छोड़ कर गया.

ASI संदीप कुमार ने अपने तीन पेज का सुसाइड नोट आईपीएस वाई पूरन कुमार पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि पूरन कुमार भ्रष्टाचारी अफसर था. उसके खिलाफ बहुत से सबूत मौजूद हैं. उन्होंने जातिवाद का सहारा लेकर सिस्टम को हाईजैक कर लिया है और मैं अपनी शहादत देकर कर जांच की मांग करता हूं. संदीप ने लिखा कि इस भ्रष्टाचारी परिवार को छोड़ा नहीं जाए।

**पूरन कुमार पर लगाए बहुत आरोप**

संदीप लाठर मूल रूप से जींद के जुलाना के गांव लढ़ौत के रहने वाले थे. संदीप लाठर ने कहा कि रोहतक के एसपी रहे नरेंद्र बिजारणिया ईमानदार अफसर थे. पूरन सिंह तक वसूली के पैसे पहुंचे थे. संदीप ने कहा कि मैं इमानदारी के साथ खड़ा रहूंगा. मैं ईमानदार हूं और मेरे बैंक खातों की जांच भी कर ली जाए. एएसआई संदीप ने पूरन सिंह की पत्नी पर भी गंभीर आरोप लगाए. वीडियो में संदीप कहते हैं कि सच्चाई की लड़ाई में वह पहली आहूति दे रहे हैं और जमीन दार का बेटा हूं और देशभक्त शहीद भगत सिंह का फैन हूं।

**एसपी की तारीफ की**

रोहतक के पूर्व एसपी की संदीप लाठर ने खूब तारीफ की. उन्होंने कहा कि पूरन कुमार ने अपनी पंसद के अफसर छांट-छांट कर लगाए. रोहतक में कई महिला अफसरों के यौन शोषण भी किए गए है. किसी भी काम के लिए पैसे मांगे जाते थे. इनकी भ्रष्टाचार की जड़े काफी गहरी हैं और इनके खिलाफ शिकायत हुई थी और इसी वजह से पूरन कुमार ने जान दी थी।

**गन मैन पर लगे थे वसूली के आरोप**

गौरतलब है कि एडीजीपी के गनमैन सुशील को पुलिस ने वसूली के आरोपों के चलते गिरफ्तार किया था. शराब कारोबारी से पैसे उगाही के आरोप लगाए गए थे. यहां तक कि शराब कारोबारी ने भी वीडियो जारी कर एडीजीपी पर आरोप लगाते हुए वूसली की बात कही थी. गौर रहे कि सात अक्टूबर को एडीजीपी ने चंडीगढ़ में आत्महत्या कर ली थी और अब एक और मौत के बाद पूरा मामला और विवादित हो गया है।

# सहारा की संपत्तियां टुकड़ों में बेची तो कोई नहीं खरीदेगा सिब्बल की दलील पर SC ने कहा- देखेंगे! सुनवाई 17 नवंबर को

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सहारा इंडिया ग्रुप चाहता है कि उसकी प्रॉपर्टीज एक साथ बेच दी जाएं. सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई के दौरान Sahara India Commercial Corporation Ltd (SICCL) ने यही गुहार लगाई. ग्रुप ने विभिन्न संपत्तियों जिनमें अंबी वैली (महाराष्ट्र) और सहारा शहर (लखनऊ) जैसी हाई-वैल्यू प्रॉपर्टीज शामिल हैं, को Adani Properties Pvt Ltd को बेचने की अनुमति मांगी है. कोर्ट ने कहा कि पहले यह तय किया जाएगा कि किन प्रॉपर्टीज पर विवाद है और किन पर नहीं. चीफ जस्टिस बी.आर. गवई, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एम.एम. सुंदरेश की बेंच ने केंद्र सरकार, SEBI और अमिकस क्यूरी को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है. अब अगली सुनवाई 17 नवंबर को होगी।

**'अंबी वैली' से 'सहारा शहर' तक, 88 प्रॉपर्टीज की सूची, पर कई पर विवाद**

सहारा की तरफ से पेश हुए सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने अदालत से कहा कि समूह अपनी संपत्तियां बेचकर बकाया राशि चुकाने की योजना बना रहा है. उनके मुताबिक, इन संपत्तियों की वैल्यू लगभग 1.6 लाख करोड़ रुपये है. सिब्बल ने कहा, 'इनमें 88 प्रॉपर्टीज शामिल हैं. इन्हें एक साथ बेचना जरूरी है. टुकड़ों में बेचने से खरीदार नहीं मिलेंगे।'

SEBI की ओर से कहा गया कि सहारा इन प्रॉपर्टीज को बेच सकता है, बशर्ते बिक्री मार्केट रेट के 90% से कम पर न हो. SEBI ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि कोर्ट

अनुमति देती है, तो उन्हें किसी प्रस्ताव की अलग से जांच करने की आवश्यकता नहीं.

वहीं, एडवोकेट मुकुल रोहतगी, जो Adani Properties Pvt Ltd की ओर से पेश हुए, ने कहा कि कंपनी सभी प्रॉपर्टीज खरीदने को तैयार है. उन्होंने कहा, 'अगर इसे हिस्सों में बेचा गया तो मुकदमेबाजी कभी खत्म नहीं होगी. हम सब कुछ, सभी क्लेम्स के साथ लेने को तैयार हैं।'

**सुप्रीम कोर्ट ने कहा- पहले अधिकार तय करो, फिर बिक्री होगी**

सुनवाई के दौरान अदालत ने साफ किया कि फिलहाल किसी बिक्री पर अनुमति देने से पहले सभी पक्षों के अधिकारों को क्रिस्टलाइज करना जरूरी है. जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, 'कुछ प्रॉपर्टीज पर कई दावेदार हैं, कुछ पर मुकदमे चल रहे हैं. पहले यह साफ होना चाहिए कि कौन सी प्रॉपर्टी विवादित है और कौन सी नहीं.' सीनियर एडवोकेट गोपाल शंकरनारायणन (अमिकस क्यूरी) ने कहा कि कुछ जमीनें ऐसी हैं जिन्हें बेचा ही नहीं जा सकता, क्योंकि वे 'वेटलैंड्स (जल क्षेत्र)' हैं. इस पर सीजेआई गवई ने कहा, 'अगर कोई वेटलैंड खरीदे भी तो वहां निर्माण संभव नहीं होगा.' कोर्ट ने अमिकस को निर्देश दिया कि वह एक विस्तृत चार्ट तैयार करें, जिसमें यह दर्ज हो कि कौन सी संपत्तियां विवादित हैं, किन पर हक तय हो चुका है, और किन पर 'शैडो ऑफ डाउट' है।

**केंद्र, SEBI और सहारा, तीनों को जवाब दाखिल करने का निर्देश**

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, जो केंद्र की ओर से पेश हुए, ने कहा कि यह मामला राष्ट्रीय महत्व का है और सरकार को भी अपनी राय रखने का अवसर मिलना चाहिए. इस पर कोर्ट ने आदेश दिया कि वित्त मंत्रालय (MoF) को भी पार्टी बनाया जाए ताकि केंद्र सरकार इस पर अपना रुख साफ कर सके. सिब्बल ने बताया कि सहारा ने हाल ही में SEBI-Sahara फंड से 500 करोड़ रुपये जारी किए हैं ताकि कुछ कोऑपरेटिव सोसायटीज के भुगतान किए जा सकें. लेकिन अन्य वकीलों ने दावा किया कि अभी भी करीब 9000 करोड़ रुपये का डेफिसिट है. अदालत ने कहा कि सहारा को पहले कर्मचारियों के दावों और बकाया राशि की स्थिति स्पष्ट करनी होगी.

**'एक साथ बिक्री जरूरी', सिब्बल की दलील, कोर्ट ने कहा 'देखेंगे'**

कपिल सिब्बल ने तर्क दिया कि संपत्तियों को 'एक बास्केट में' बेचना ही व्यवहारिक विकल्प है. उन्होंने कहा, 'अगर एक-एक करके बेचा गया तो निवेशक पीछे हट जाएंगे, जैसा पहले वर्सोवा प्रोजेक्ट में हुआ था.' जस्टिस गवई ने कहा कि अदालत यह तय करेगी कि प्रॉपर्टीज को एकमुश्त (en bloc) बेचा जाए या अलग-अलग (piecemeal). सीनियर एडवोकेट अरविंद दातर ने सुझाव दिया कि जिन प्रॉपर्टीज पर कोई विवाद नहीं है, उन्हें पहले बेचा जा सकता है और बाकी पर अलग सुनवाई हो।

# आईआरसीटीसी मामले में दिल्ली की अदालत ने लालू, राबड़ी और तेजस्वी यादव के खिलाफ़ आरोप तय किए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**नई दिल्ली-** दिल्ली की एक जिला अदालत ने सोमवार (13 अक्टूबर) को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव के खिलाफ सीबीआई के एक मामले में आरोप तय किए हैं. यह मामला पटना में रियायती जमीन के बदले कथित रेलवे होटलों की अवैध लीजिंग से जुड़ा है. बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार, राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने लालू, राबड़ी और तेजस्वी के खिलाफ साजिश और धोखाधड़ी के आरोप तय किए हैं, जबकि लालू के खिलाफ भ्रष्टाचार का भी आरोप लगाया गया है. तीनों ने ही इस मामले में दोष स्वीकार नहीं किया (Not Guilty Plea),जिसके आधार पर मामला अब ट्रायल के लिए जाएगा. अदालत के आदेश की कॉपी अभी प्रतीक्षित है. कोर्ट के फैसले के बाद मीडिया से बातचीत में बिहार के विपक्षी दल के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि वे आरोपों का सामना करेंगे और यह भी कहा कि यह कदम राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों से जुड़ा हो सकता है.

ज्ञात हो कि साल 2017 में दर्ज एफआईआर में सीबीआई ने लालू और राबड़ी के साथ उनके पुत्र तेजस्वी का नाम लेते हुए आरोप लगाया था कि राजद के वरिष्ठ नेता ने केंद्रीय रेलवे मंत्री रहते हुए होटलों के मालिकों के साथ साजिश रची और दो

आईआरसीटीसी होटलों को अवैध रूप से होटेल मालिकों को लीज़ पर दे दिया, बदले में पटना में रियायती जमीन हासिल की. सीबीआई के अनुसार, साल 2005-06 में सुधा होटल प्राइवेट लिमिटेड को रांची और पुरी में दो आईआरसीटीसी होटलों के सब-लीज दिए गए. बदले में मालिक ने लगभग तीन एकड़ वाणिज्यिक जमीन बाजार दरों से कम दाम पर डिलाइट मार्केटिंग कंपनी को बेची, जिसमें एक राजद सांसद की पत्नी निदेशक थी. बाद में इस कंपनी के शेयर राबड़ी और तेजस्वी को ट्रांसफर किए गए।

सीबीआई ने आरोप लगाया कि टेंडर की शर्तों को आपराधिक साजिश के तहत सुजाता होटल के हित में बदला गया, ताकि कंपनी की ज़रूरतों के मुताबिक़ उन्हें ढाला जा सके. जांच एजेंसी ने यह भी कहा कि पटना की जो ज़मीन इस कथित 'इस हाथ दे उस ले' वाले सौदे के तहत दी गई थी, उसे कृषि भूमि बताकर स्टांप ड्यूटी से बचने की भी कोशिश की गई. एफआईआर में सीबीआई ने दावा किया है कि रेल मंत्री रहते हुए लालू प्रसाद यादव पूरे मामले से वाकिफ थे और आईआरसीटीसी की टेंडर प्रक्रिया पर नज़र रख रहे थे. एजेंसी ने इस मामले में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराएं लगाई हैं. सोमवार को आरोप तय करते समय विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने कहा कि प्रारंभिक तौर पर यह स्पष्ट होता है कि लालू यादव ने होटलों के हस्तांतरण को प्रभावित करने के लिए हस्तक्षेप किया था. जज ने कहा, 'पूरी प्रक्रिया निजी भागीदारी को बढ़ावा देने के नाम पर चलाई गई क्रोनी कैपिटलिज़्म की मिसाल थी, और यह ट्रांसफर शुरुआती तौर पर धोखाधड़ी से ग्रसित प्रतीत होता है.' सोमवार को दिल्ली में अदालत की कार्यवाही में अपने माता-पिता के साथ मौजूद तेजस्वी यादव ने बाद में कहा कि वे पहले से जानते थे कि चुनाव नज़दीक आने पर ऐसे कदम उठाए जाएंगे. तेजस्वी ने कहा, 'फिर भी, अदालत के फैसले का हम सम्मान करते हैं. हमने हमेशा लड़ाई लड़ी है और आगे भी लड़ते रहेंगे. तूफानों से लड़ना अपने आप में एक अलग सुख देता है. हमने संघर्ष का रास्ता चुना है, और अच्छे यात्री बनकर अपने मंज़िल तक पहुंचेंगे.' ज्ञात हो कि अगले महीने बिहार विधानसभा चुनाव दो चरणों में होने वाले हैं. पहले चरण का मतदान 6 नवंबर को और दूसरे चरण का 11 नवंबर को होना है. मतगणना 14 नवंबर को की जाएगी।

# संभल में गरज रहा बुलडोजर, अब पार्क की जमीन पर बनी अवैध 'छोटी मस्जिद' ढहाई गई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के संभल में मंगलवार को बुलडोजर एक्शन हुआ, जहां एक अवैध मस्जिद पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया. ये मस्जिद श्री कल्कि धाम के नजदीक स्थित पार्क की जमीन पर बनी थी, जिस पर आज प्रशासन ने बुलडोजर चलाया. इस कार्रवाई के दौरान मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा. सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए दो थानों की फोर्स को मौके पर तैनात किया गया।

इस दौरान सीओ कुलदीप सिंह और राजस्व विभाग की टीम मौजूद रही. बताया जा रहा है कि यह निर्माण बिना किसी स्वीकृति के किया गया था और कई बार नोटिस देने के बाद भी इसे नहीं हटाया गया. ऐसे में प्रशासन ने एक्शन लिया और सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए पूरे इलाके की घेराबंदी कर कार्रवाई की. प्रशासन ने

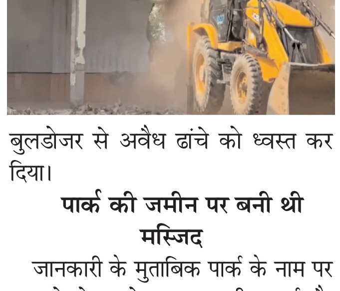

बुलडोजर से अवैध ढांचे को ध्वस्त कर दिया।

**पार्क की जमीन पर बनी थी मस्जिद**

जानकारी के मुताबिक पार्क के नाम पर एक हेक्टेयर से ज्यादा जमीन दर्ज है, लेकिन इसी पार्क की 262 वर्ग मीटर जमीन पर अवैध रूप में मस्जिद का निर्माण कर दिया गया था, जिस पर प्रशासन का बुलडोजर चला दिया गया. संभल में लगातार अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है. अवैध रूप से किए गए निर्माण पर लगातार बुलडोजर चलाया जा रहा है।

**मैरिज हॉल को बुलडोजर से किया ध्वस्त**

हाल ही में संभल के असमोली रायपुर बुजुर्ग में तालाब की जमीन पर बने एक मैरिज हॉल को बुलडोजर की मदद से ध्वस्त कर दिया गया था. ये कार्रवाई चार घंटे तक चली, जिसमें चार बुलडोजर इस्तेमाल किए गए. इस दौरान संभल के डीएम डॉ. राजेंद्र पेंसिया और एसपी कृष्ण बिश्नोई सहित लगभग 200 पुलिसकर्मी और पीएसी के जवान मौके पर मौजूद रहे थे और साथ ही ड्रोन से भी निगरानी की गई थी. प्रशासन की ओर से कहा गया था कि ये मैरिज हॉल सरकारी और तालाब की जमीन पर अवैध रूप से बनाया गया था. इसे हटाने के लिए 30 दिन पहले नोटिस दिया गया था, लेकिन कोई कार्रवाई या अपील नहीं की गई।

# स्मार्ट फिल्टर और रसायन विज्ञान का नोबेल पुरस्कार 2025

वर्ष 2025 का रसायन शास्त्र का नोबेल पुरस्कार उस खोज को समर्पित किया गया जिसने आधुनिक विज्ञान को एक नई पर्यावरणीय चेतना दी। यह पुरस्कार उन वैज्ञानिकों को मिला जिन्होंने धातु कार्बनिक ढाँचों ( मेटल ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क्स-एमओएफएस) पर आधारित "स्मार्ट फिल्टर" तकनीक विकसित की। हाल ही में वर्ष 2025 के नोबेल पुरस्कारों की घोषणा हुई है जिसमे रसायन के लिए इस वर्ष 3 वैज्ञानिकों - सुसुमु कितागावा, रिचर्ड रॉबसन और उमर एम. याघी को यह पुरस्कार दिया गया है। इस बार के ये तीनों विजेता अलग-अलग देश के रहने वाले हैं। इस साल ये पुरस्कार जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों को सम्मिलित रूप से दिया गया है। रसायन नोबेल पुरस्कार 2025 इन तीनों वैज्ञानिकों को "मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क्स (एम ओ एफ)" के विकास के लिए मिला है, जो एक ऐसी खोज है जिसका उपयोग रेगिस्तानी हवा से पानी इकट्ठा करने में हो सकता है।1901से प्रारंभ 2025 तक रसायन विज्ञान के क्षेत्र में कुल लगभग 200 वैज्ञानिकों को 117 बार यह नोबेल पुरस्कार मिल चुका है। इनमें से फ्रेडरिक सेंगर और बैरी शार्पलेस ऐसे दो वैज्ञानिक हैं जिन्हें दो-दो बार यह सम्मान मिला है। आपको बता दे की मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क (एम ओ एफ) वे त्रि-आयामी पदार्थ होते हैं जो धातु आयनों या समूहों और कार्बनिक यौगिकों (लिगैंड्स) से बने होते हैं। ये स्व-संयोजित क्रिस्टलीय छिद्रयुक्त संरचनाएं होती हैं जिनका छिद्रण, सतह क्षेत्र और संरचना अत्यंत नियंत्रित होती है। एम ओ एफ की खासियत यह है कि ये हल्के होते हुए भी बहुत बड़े सतह क्षेत्र और छिद्रित ढांचे प्रदान करते हैं, जो विभिन्न उपयोगों के लिए उपयुक्त बनाते हैं। आज जब पृथ्वी की वायु, जल और मिट्टी पर प्रदूषण की परतें घनी होती जा रही हैं, तब यह खोज हमें यह विश्वास दिलाती है कि विज्ञान केवल समस्या का विश्लेषक नहीं, बल्कि समाधान का सृजक भी है। "स्मार्ट फिल्टर" का मूल आधार है - धातु-कार्बनिक ढाँचा (मेटल ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क) यह एक नैनोस्तरीय जालीनुमा पदार्थ है जिसमें धातु आयन (जैसे तांबा, लोहा, जिंक) को कार्बनिक अणुओं (ऑर्गेनिक लिंकर्स ) से जोड़ा जाता है। इससे एक त्रिआयामी छिद्रयुक्त संरचना बनती है जो गैसों और अणुओं को चुनिंदा रूप से पकड़ने या अलग करने में सक्षम होती है। एक ग्राम एमओएफ का सतही क्षेत्रफल फुटबॉल मैदान जितना बड़ा हो सकता है। यही कारण है कि इन्हें "रासायनिक स्पंज" कहा जाता है – जो सूक्ष्मतम स्तर पर भी अणुओं को अवशोषित करने की क्षमता रखते हैं। "स्मार्ट फिल्टर" पारंपरिक फिल्टर से बिल्कुल अलग हैं। जहाँ सामान्य फिल्टर केवल आकार या छिद्र के आधार पर पदार्थों को छानते हैं, वहीं एमओएफआधारित स्मार्ट फिल्टर अणुओं के रासायनिक व्यवहार को पहचानते हैं। उदाहरण के लिए, कोई स्मार्ट फिल्टर कार्बन डाइऑक्साइड को तो रोक सकता है लेकिन ऑक्सीजन को स्वतंत्र रूप से गुजरने देता है। इसी प्रकार, जल से भारी धातुओं को हटाते हुए आवश्यक खनिजों को बनाए रखना भी संभव है। इस तकनीक के पीछे की विशेषता है - रासायनिक चयनात्मकता (केमिकल सेलेक्टिविटी),जो धातु कार्बनिक ढांचा के अनुकूलन योग्य ढाँचे से आती है। इस तरह के फिल्टर भविष्य में वायु शोधक, जल शोधक, औद्योगिक उत्सर्जन नियंत्रण और दवा वितरण के क्षेत्र में क्रांति ला सकते हैं। 2025 की नोबेल समिति ने इस खोज को केवल वैज्ञानिक उपलब्धि नहीं, बल्कि मानवता की रक्षा के लिए रासायनिक नवाचार कहा है। इस तकनीक से विकसित एम ओ एफ आधारित झिल्लियाँ (मेंबरेन्स) पहले ही प्रयोगशालाओं से निकलकर औद्योगिक संयंत्रों में स्थापित होने लगी हैं। इन झिल्लियों से निकलने वाली वायु इतनी शुद्ध होती है कि एक औद्योगिक परिसर का कार्बन उत्सर्जन 40-60 प्रतिशत तक घटाया जा सकता है। इसी प्रकार, जल शोधक संयंत्रों में यह तकनीक विषाक्त धातुओं जैसे आर्सेनिक, सीसा और कैडमियम को लगभग पूर्णतः हटा देती है। नोबेल समिति ने इस आविष्कार को एक "हरित युग का आरंभ" कहा है, क्योंकि यह मानव और प्रकृति दोनों के हित में संतुलन स्थापित करता है। धातु कार्बनिक ढांचा (एमओ एफएस)की यह तकनीक केवल प्रदूषण हटाने तक सीमित नहीं है। इनकी छिद्रयुक्त संरचना हाइड्रोजन, मीथेन और कार्बन डाइऑक्साइड जैसी गैसों को सुरक्षित रूप से संचित करने में सक्षम है। इससे स्वच्छ ईंधन अर्थव्यवस्था (क्लीन फ्यूल इकोनॉमी) को मजबूती मिलती है। एक लीटर एम ओ एफ आधारित फिल्टर 500 लीटर हाइड्रोजन गैस को सुरक्षित रूप से संग्रहित कर सकता है। यह तकनीक आने वाले दशकों में हाइड्रोजन वाहनों के लिए ऊर्जा भंडारण का सस्ता और कुशल विकल्प बन सकती है। इसके अलावा, एमओएफ फिल्टर औद्योगिक अपशिष्टों से निकलने वाली कार्बन डाइऑक्साइड को पकड़कर पुनः प्रयोग योग्य बना सकते हैं। इससे ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी और जलवायु स्थिरता दोनों को बल मिलता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू एच ओ) के अनुसार, पृथ्वी पर लगभग 200 करोड़ लोग ऐसे जल स्रोतों पर निर्भर हैं जिनमें हानिकारक रासायनिक अवशेष हैं। एम ओ एफ आधारित स्मार्ट फिल्टर इन विषाक्त तत्वों को आणविक स्तर पर हटाने की क्षमता रखते हैं। ये फिल्टर पी एच, तापमान और प्रकाश के अनुसार अपना व्यवहार बदल सकते हैं, अर्थात् वे स्वयं-अनुकूल (सेल्फ एडॉप्टिव) होते हैं। इस कारण से इन्हें "स्माट" कहा जाता है। वे जहाँ प्रदूषण अधिक होता है, वहाँ स्वतः अधिक सक्रिय हो जाते हैं – यह मानो विज्ञान की पर्यावरणीय चेतना का मूर्त रूप है। धातु कार्बनिक ढांचे (एम ओ एफ एस ) और स्मार्ट फिल्टर का उपयोग केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं रहा। चिकित्सा क्षेत्र में इनका उपयोग दवा वितरण (ड्रग डिलीवरी) और बायोसेंसर बनाने में होने लगा है। कुछ एमओएफ संरचनाएँ शरीर के अंदर जाकर केवल रोगग्रस्त कोशिकाओं पर ही प्रभाव डालती हैं – जैसे कैंसर चिकित्सा में लक्षित दवा वितरण। इससे दवाओं के दुष्प्रभाव घटते हैं और उपचार की प्रभावशीलता बढ़ती है। इस प्रकार, रसायन विज्ञान अब सीधे मानव स्वास्थ्य की सेवा में भी उपस्थित है। धातु कार्बनिक ढांचा यानी मेटल ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क आधारित स्मार्ट फिल्टर आने वाले वर्षों में हरित उद्योगों (ग्रीन इंडस्ट्रीज) की रीढ़ बनेंगे। वे ऊर्जा बचाते हैं, प्रदूषण घटाते हैं और उत्पादन को अधिक कुशल बनाते हैं।

रसायन, पेट्रोलियम, सीमेंट, स्टील और औषधि उद्योग पहले ही इनके प्रयोग की दिशा में अग्रसर हैं। इसके साथ ही, वैज्ञानिक अब एमओएफएस के रीसायक्लेबल और जैव-अवक्रमणीय (बायोडिग्रेडेबल) संस्करणों पर कार्य कर रहे हैं, ताकि प्रयोग के बाद वे स्वयं पर्यावरण में विलीन हो सकें। इससे "शून्य अपशिष्ट रसायन विज्ञान (जीरो वेस्ट केमिस्ट्री) की दिशा में दुनिया एक बड़ा कदम बढ़ाएगी। रसायन विज्ञान का यह नोबेल पुरस्कार हमें यह सिखाता है कि सच्चा विज्ञान वही है जो जीवन को सुरक्षित करे। एम ओ एफ एस और स्मार्ट फिल्टर केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं हैं, वे उस चेतना के प्रतीक हैं जिसमें मानव बुद्धि और प्रकृति की रक्षा का संकल्प एक हो जाता है। यह खोज यह भी सिद्ध करती है कि प्रयोगशाला की दीवारों के भीतर जो रासायनिक सूत्र गढ़े जाते हैं, वे अंततः धरती की साँसों को स्वच्छ और जल को निर्मल बना सकते हैं। भविष्य का विज्ञान यदि इस दिशा में चलता रहा, तो निश्चय ही 21वीं सदी की पहचान केवल तकनीकी प्रगति नहीं, बल्कि पर्यावरणीय स्थायित्व और मानवता की करुणा होगी।

**डॉ. रामानुज पाठक**

# महिलाओं की आज़ादी बनाम शासन की जिम्मेदारी

**खोखले बयान नहीं, कानून और न्याय से बनती है सुरक्षा**

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का हालिया बयान कि "लड़कियों को रात में बाहर नहीं निकलना चाहिए," समाज की उस रूढ़िगत सोच को उजागर करता है जो अपराधी को छोड़कर पीड़िता को कठघरे में खड़ा करती है। दुर्गापुर मेडिकल कॉलेज में एक छात्रा के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म की दिल दहलाने वाली घटना के बाद यह बयान न केवल असंवेदनशील है, बल्कि यह उस पितृसत्तात्मक मानसिकता का आईना है जो महिलाओं की स्वतंत्रता को खतरा मानती है। एक प्रगतिशील समाज शासन से अपराध के खिलाफ कठोर कार्रवाई की उम्मीद करता है, न कि ऐसी सलाह की जो पीड़िता के जख्मों पर नमक छिड़के और उनकी आज़ादी को बेड़ियों में जकड़े। यह बयान न केवल पीड़िता के दर्द को गहराता है, बल्कि सवाल उठाता है- क्या शासन अपनी जिम्मेदारियों से मुँह मोड़ रहा है? ममता बनर्जी का यह कहना कि "पुलिस हर घर के बाहर पहरा नहीं दे सकती," शायद उनकी सरकार की सीमाओं को दर्शाता है, मगर यह सवाल खड़ा करता है- यदि शासन ही सुरक्षा की गारंटी न दे, तो महिलाएँ किसके भरोसे जिएँ? सुरक्षा किसी भी लोकतंत्र का मूलभूत वादा है, न कि सरकार की दया। यह तर्क कि निजी मेडिकल कॉलेजों को अपनी छात्राओं, खासकर दूसरे राज्यों से आई लड़कियों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए, सही हो सकता है, लेकिन जब यह "रात में बाहर न निकलने" की शर्त के साथ आता है, तो यह अपराधियों को छूट देने और पीड़िताओं को कैद करने जैसा है। क्या महिलाओं की आज़ादी कुर्बान करना ही सुरक्षा का एकमात्र रास्ता है? महिलाओं की सुरक्षा प्रशासनिक इच्छाशक्ति और कठोर कानून व्यवस्था पर टिकी है। अपराधियों के खिलाफ त्वरित और कड़ी कार्रवाई ही इस बुराई की जड़ काट सकती है। मगर जब सत्ता में बैठे लोग ही ऐसे बयान देते हैं, तो यह अपराधियों के हौसले बुलंद करता है।

ममता बनर्जी ने अन्य राज्यों की घटनाओं का हवाला देकर समस्या को सामान्य बनाने की कोशिश की, जो न केवल जवाबदेही से पलायन है, बल्कि अपराध को छोटा दिखाने का प्रयास भी है। शासन का काम तुलना करना नहीं, बल्कि अपने क्षेत्र में न्याय और सुरक्षा सुनिश्चित करना है। दुर्गापुर की घटना केवल एक छात्रा पर नहीं, बल्कि उस तंत्र पर हमला है जो महिलाओं को सुरक्षित रखने में नाकाम रहा। यह बयान उस पितृसत्तात्मक सोच का प्रतीक है जो महिलाओं की स्वतंत्रता को अपराध और अपराध को सामान्य मानता है। "रात में बाहर न निकलने" की सलाह महिलाओं की आज़ादी पर हमला है और उन्हें दोयम दर्जे का नागरिक ठहराती है। सच्चा बदलाव तभी आएगा जब शासन और समाज मिलकर यह सुनिश्चित करें कि हर लड़की, हर समय, हर जगह बिना डर के जी सके। सुरक्षा कंक्रीट की दीवारों से नहीं, बल्कि सशक्त कानून, त्वरित न्याय और अपराधियों को कठोर सजा से मिलती है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के 2022 के आँकड़े चीख-चीखकर बताते हैं कि पश्चिम बंगाल में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की दर राष्ट्रीय औसत से कहीं ऊँची है। बलात्कार, यौन उत्पीड़न और घरेलू हिंसा की घटनाएँ बेकाबू बढ़ रही हैं। ऐसे में ममता बनर्जी का बयान कि "लड़कियों को रात में बाहर नहीं निकलना चाहिए," न केवल असंवेदनशील है, बल्कि शासन की नाकामी को नंगा करता है। यदि सरकार यह कहे कि वह हर जगह सुरक्षा नहीं दे सकती, तो यह अपनी मूल जिम्मेदारी से पलायन है। कॉलेजों पर जिम्मेदारी डालना या सलाह देना काफी नहीं; जरूरत है ऐसी व्यवस्था की जो अपराधियों के मन में खौफ पैदा करे। इसके लिए पुलिस सुधार, त्वरित अदालती कार्रवाई और सामाजिक जागरूकता जैसे ठोस कदम अनिवार्य हैं। 2012 के दिल्ली निर्भया कांड के बाद बने कठोर कानूनों ने सजा को सख्त किया, लेकिन इनका असर तभी है जब इन्हें कड़ाई से लागू किया जाए। पश्चिम बंगाल को भी कानूनी ढाँचे को मजबूत करना होगा, पुलिस को संवेदनशील और जवाबदेह बनाना होगा, और स्कूलों-कॉलेजों से लेकर कार्यस्थलों तक जेंडर संवेदनशीलता को बढ़ावा देना होगा। तृणमूल कांग्रेस हमेशा महिलाओं के सशक्तीकरण की बात करती रही है, मगर ममता बनर्जी का यह बयान उनकी छवि और नीतियों को धूमिल करता है। यह उन लाखों महिलाओं के विश्वास को तोड़ता है जो उन्हें प्रगतिशील नेता मानती हैं। दुर्गापुर की घटना ने साबित किया कि बयानबाजी और दोषारोपण से महिलाओं की सुरक्षा नहीं होगी। ममता बनर्जी को समझना होगा कि समाज तब सुरक्षित होगा जब अपराधियों को कठोर सजा मिले, न कि महिलाओं को बंधनों में बाँधा जाए। महिलाओं की स्वतंत्रता और सुरक्षा एक-दूसरे की पूरक हैं, विरोधी नहीं।

जब तक यह सोच शासन और समाज में नहीं आएगी, ऐसी घटनाएँ रुकेंगी नहीं। समाज को यह भरोसा देना होगा कि हर महिला बिना डर के, अपनी मर्जी से जी सकती है। ममता बनर्जी का यह बयान निराशाजनक होने के साथ-साथ उस सामाजिक और प्रशासनिक विफलता का प्रतीक है जो महिलाओं को उनकी आज़ादी और सम्मान से वंचित रखता है। सभ्य समाज तभी बनेगा जब शासन अपराधियों को कठघरे में लाए, न कि महिलाओं को घरों में कैद करने की सलाह दे। ममता जैसे नेताओं को साहसिक कदम उठाने होंगे, क्योंकि बदलाव की शुरुआत सत्ता के शीर्ष से होती है। यह समय खोखले बयानों का नहीं, बल्कि ऐसी कार्रवाई का है जो हर महिला को बिना डर के जीने की गारंटी दे।

**प्रो. आरके जैन**

# मोज शोख के लिए पटाखे फोड़ो , लेकिन उसे धर्म और परंपरा से न जोड़ो

भारत में दीवाली का त्योहार रोशनी, रंगोली, और खुशियों का प्रतीक है। यह वह समय है जब हम अपने घरों को दीयों से सजाते हैं, मिठाइयाँ बाँटते हैं, और अपनों के साथ उत्सव मनाते हैं। लेकिन पिछले कुछ दशकों में, दीवाली का एक और पहलू चर्चा में रहा है पटाखे। फटाकों का शोर, धुआँ, और पर्यावरण पर उनका प्रभाव अब एक गंभीर बहस का विषय बन चुका है। सवाल यह है कि क्या फटाके वाकई हमारी दीवाली की परंपरा का हिस्सा हैं? और क्या इन्हें धर्म से जोड़ना उचित है?

**भारत में पटाखे का इतिहास**

भारत में पटाखे का इतिहास ज्यादा पुराना नहीं है। इतिहासकारों के अनुसार, पटाखों की शुरुआत चीन में हुई थी, और भारत में ये मध्यकाल में, लगभग 15वीं-16वीं सदी में, मुगल शासकों के समय प्रचलन में आए। उस समय फटाकों का उपयोग युद्ध, समारोहों, और शाही उत्सवों में होता था। दीवाली जैसे धार्मिक पर्वों में फटाकों का व्यापक उपयोग 20वीं सदी में ही शुरू हुआ। यानी, पटाखे हमारे हजारों साल पुराने सांस्कृतिक इतिहास का हिस्सा नहीं हैं। फिर भी, आज इन्हें दीवाली की परंपरा का अभिन्न अंग मान लिया गया है।

**दीवाली में परंपरा का इतिहास और विज्ञान**

दीवाली का मूल आधार है प्रकाश और ज्ञान का उत्सव। यह पर्व श्री राम के अयोध्या लौटने की खुशी में मनाया जाता है, जब नगरवासियों ने दीयों से उनका स्वागत किया था। दीये, रंगोली, और मिठाइयाँ दीवाली की आत्मा हैं। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से, मिट्टी के दीये जलाने से वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। तेल और बाती का दहन न केवल प्रकाश देता है, बल्कि पर्यावरण को शुद्ध करने में भी मदद करता है। वैसे ही घी में किए गए दिए बहुत मात्रामे ऑक्सीजन उत्पन्न करते हे। साथमे रंगोली बनाने की परंपरा रचनात्मकता और सौंदर्य को बढ़ावा देती है, जो मन और आत्मा को सुकून देती है।और आपकी कला प्रस्तुत करने का मौका देती हे। दूसरी ओर, पटाखों का वैज्ञानिक प्रभाव चिंताजनक है। फटाकों से निकलने वाला धुआँ वायु प्रदूषण को बढ़ाता है, जिसमें कार्बन डाइऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड, और अन्य हानिकारक कण शामिल होते हैं। यह न केवल मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, बल्कि पशु-पक्षियों और पर्यावरण को भी नुकसान पहुँचाता है। शोर प्रदूषण से बच्चों, बुजुर्गों, और पालतू जानवरों को गंभीर परेशानी होती है। फिरभी दुख तो तब होता हे जब हम अपने धर्म को दूसरे धर्म को जोड़के बोलते हे की दीवाली हे तो फ़टाखे फोड़ेंगे वह धर्म को यह कहो वह कहो। इससे यह लगता हे की 400 साल पुराने पटाखे हजारों साल पुराने इतिहास पर भारी?हमारा सांस्कृतिक इतिहास हजारों साल पुराना है, जिसमें दीवाली का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व गहराई से जुड़ा है। लेकिन फटाके, जो केवल 400-500 साल पहले भारत आए, क्या वाकई इस प्राचीन परंपरा का हिस्सा हो सकते हैं? पटाखों को दीवाली से जोड़ना एक आधुनिक चलन है, जिसे

हमने मनोरंजन के लिए अपनाया। यह शोख और उत्साह का प्रतीक हो सकता है, लेकिन इसे धर्म या परंपरा का हिस्सा मानना गलत है। हमारे शास्त्रों में दीवाली का उल्लेख दीयों, पूजा, और भक्ति के साथ है, न कि शोर और धुएँ के साथ।पटाखों को धर्म से जोड़कर आप धर्म के विरुद्ध जा रहे हैं। हिंदू धर्म में प्रकृति को पूजनीय माना गया है। नदियाँ, पर्वत, वृक्ष–सबको देवता के रूप में देखा जाता है। दीवाली का असली संदेश है अंधेरे पर प्रकाश की जीत, अज्ञान पर ज्ञान की विजय। पटाखों का धुआँ और शोर न तो प्रकाश बढ़ाता है, न ही ज्ञान। यह केवल क्षणिक मोज देता है, जिसका मूल्य पर्यावरण और स्वास्थ्य के नुकसान के रूप में चुकाना पड़ता है।

**पटाखों को धर्म से जोड़कर हम अनजाने में अपने ही धर्म के मूल्यों के खिलाफ कार्य कर रहे हैं।**

धर्म हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाने की सीख देता है, न कि उसे नष्ट करने की। फटाकों के उपयोग को धार्मिक कृत्य मानना न केवल गलत है, बल्कि यह हमारे धर्म की मर्यादा को भी ठेस पहुँचाता है।दीए और रंगोली का धार्मिक महत्व दीवाली में दीये जलाने का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है। दीया आत्मा का प्रकाश है, जो हमें अंधकार से मुक्ति की ओर ले जाता है। रंगोली का महत्व भी गहरा है–यह घर में सकारात्मक ऊर्जा को आमंत्रित करती है और समृद्धि का प्रतीक है। ये परंपरा न केवल पर्यावरण के अनुकूल हैं, बल्कि हमारे मन को शांति और समृद्धि का अनुभव भी कराती हैं। इन्हें अपनाने से हम अपनी संस्कृति को जीवित रखते हैं और प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाए रखते हैं। आपका जीवन दीयों की तरह प्रकाशमय हो, और रंगोली की तरह रंगीन ! मिठाई की तरह मीठा रहे और परिवार में सुख , शांति समृद्धि बनी रहे। दीवाली की हार्दिक शुभकामनाए।

**प्रतीक संघवी**

## संपादकीय

# परंपरा को प्रगति से जोड़ता ग्रामीण पर्यटन

**पर्यटन से गाँवों में नवजीवन-आर्थिक और सामाजिक बदलाव**

भारत के गाँवों की गलियों में उनकी परंपराएँ, संस्कृति और पीढ़ियों से चली आ रही अनगिनत कहानियाँ बसती हैं। भारत का सच्चा रूप शहरों की चमक में नहीं, बल्कि गाँवों की मिट्टी, उनके रंग-बिरंगे रीति-रिवाजों और प्राकृतिक सौंदर्य में झलकता है। ये गाँव न केवल सांस्कृतिक धरोहर के रक्षक हैं, बल्कि आर्थिक समृद्धि का एक अनछुआ खजाना भी हैं। ग्रामीण पर्यटन इस दिशा में एक प्रभावी और व्यावहारिक कदम है, जो आर्थिक विकास के साथ-साथ सामाजिक व सांस्कृतिक संरक्षण को बढ़ावा देता है। ग्रामीण पर्यटन केवल पहाड़ों, नदियों या हरियाली तक सीमित नहीं है; यह एक जीवंत अनुभव है, जिसमें पर्यटक गाँव के दैनिक जीवन का हिस्सा बनते हैं। स्थानीय त्योहार, लोक नृत्य, हस्तशिल्प कार्यशालाएँ, पारंपरिक व्यंजन और ग्रामीणों के साथ संवाद पर्यटकों को एक अनूठा अनुभव देते हैं। उदाहरण के लिए, राजस्थान के कुम्भलगढ़ में कुंभलगढ़ महोत्सव स्थानीय कारीगरों को अपनी कला दिखाने का मंच देता है, जिससे उनकी आय बढ़ती है और पर्यटक राजस्थानी संस्कृति को गहराई से समझ पाते हैं। विश्व पर्यटन संगठन के अनुसार, ग्रामीण पर्यटन वैश्विक पर्यटन उद्योग का 20% हिस्सा है और तेजी से बढ़ रहा है। भारत में पिछले दशक में ग्रामीण पर्यटन 15% की वार्षिक वृद्धि के साथ फल-फूल रहा है। यह आँकड़ा दर्शाता है कि ग्रामीण पर्यटन न केवल पर्यटकों को लुभाता है, बल्कि स्थानीय समुदायों के लिए आर्थिक अवसरों का द्वार भी खोलता है। ग्रामीण पर्यटन स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई ऊँचाइयों तक ले जाता है। पर्यटक गाँवों में हस्तशिल्प, कपड़े, मसाले और स्थानीय व्यंजन खरीदते हैं, जबकि होमस्टे, गाइड सेवाएँ और परिवहन आय के अतिरिक्त स्रोत बनते हैं। एक अध्ययन के अनुसार, ग्रामीण पर्यटन से प्रेरित गाँवों में परिवारों की आय 25-30% बढ़ी है। मिसाल के तौर पर, उत्तराखंड के मुनस्यारी में होमस्टे प्रोग्राम ने स्थानीय परिवारों की आय को दोगुना किया, जिससे कई परिवार अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा दे पाए। महिलाओं के लिए ग्रामीण पर्यटन विशेष रूप से सशक्तिकारी है। ग्रामीण भारत में महिलाएँ हस्तशिल्प, बुनाई और खाद्य प्रसंस्करण में माहिर हैं। मध्य प्रदेश के ओरछा में महिला समूहों द्वारा बनाए गए हस्तशिल्प उत्पाद डिजिटल प्लेटफॉर्म्स जैसे अमेजन और फ्लिपकार्ट पर बिक रहे हैं, जिससे उनकी आय 40% तक बढ़ी है। साथ ही, ग्रामीण पर्यटन युवाओं को शहरों की ओर पलायन से रोकता है, क्योंकि यह स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा करता है। ग्रामीण पर्यटन भारत के गाँवों के लिए एक अनूठा अवसर है, जो सांस्कृतिक संरक्षण, आर्थिक सशक्तिकरण और सामाजिक एकता का आधार बन सकता है। यह न केवल स्थानीय परंपराओं और संस्कृति को जीवित रखता है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूत करता है। उदाहरण के लिए, गुजरात का रण उत्सव कच्छ की कला और संस्कृति को वैश्विक मंच पर ले जाता है, जहाँ लोकगीत, नृत्य और हस्तशिल्प पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। इसी तरह, तमिलनाडु के चेट्टिनाड में पारंपरिक व्यंजनों और वास्तुकला ने युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ने के साथ-साथ पर्यटकों का ध्यान खींचा है। ग्रामीण पर्यटन युवा पीढ़ी को उनकी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ता है। जब स्थानीय कला और परंपराएँ पर्यटकों द्वारा सराही जाती हैं, तो युवा इन्हें संरक्षित करने के लिए प्रेरित होते हैं। हालांकि, इस क्षेत्र में कई चुनौतियाँ हैं। अपर्याप्त आधारभूत संरचना, जैसे सड़क, स्वच्छ पानी और बिजली की कमी, पर्यटकों के लिए असुविधा का कारण बनती है। उदाहरण के लिए, हिमाचल प्रदेश के कुछ दूरस्थ गाँवों में सड़क मार्ग की कमी पर्यटन को सीमित करती है। साथ ही, स्थानीय समुदायों में जागरूकता और हॉस्पिटैलिटी प्रशिक्षण का अभाव भी एक बड़ी बाधा है। इन चुनौतियों का समाधान सामुदायिक भागीदारी, सरकारी सहयोग और निजी निवेश से संभव है। भारत सरकार की "अतुल्य भारत" और "स्वदेश दर्शन" योजनाएँ आधारभूत संरचना और प्रशिक्षण को बढ़ावा दे रही हैं। स्थानीय युवाओं को हॉस्पिटैलिटी, गाइड प्रशिक्षण और डिजिटल मार्केटिंग में प्रशिक्षित करने से पर्यटन अनुभव बेहतर हो सकता है। साथ ही, सतत और पर्यावरण-अनुकूल पहल, जैसे सौर ऊर्जा, जैविक खेती और कचरा प्रबंधन, पर्यटकों को आकर्षित करने के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करते हैं। मेघालय का मावलिननॉन्ग गाँव, जिसे "एशिया का सबसे स्वच्छ गाँव" कहा जाता है, इसका उत्कृष्ट उदाहरण है। दूसरी चुनौती है स्थानीय समुदाय में जागरूकता और प्रशिक्षण की कमी। कई गाँवों में लोग पर्यटन के आर्थिक और सांस्कृतिक लाभों से अनजान हैं। इसके अलावा, हॉस्पिटैलिटी और पर्यटन प्रबंधन में प्रशिक्षण की कमी के कारण वे पर्यटकों को बेहतर अनुभव प्रदान करने में असमर्थ होते हैं। इन चुनौतियों का समाधान सामुदायिक भागीदारी, सरकारी सहयोग और निजी निवेश के माध्यम से संभव है। स्थानीय युवाओं को हॉस्पिटैलिटी, गाइड प्रशिक्षण और डिजिटल मार्केटिंग में प्रशिक्षित किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, भारत सरकार की "अतुल्य भारत" और ÷स्वदेश दर्शन÷ योजनाएँ ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए आधारभूत संरचना और प्रशिक्षण पर ध्यान दे रही हैं। सतत और पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन को प्राथमिकता देना भी महत्वपूर्ण है। गाँवों में सौर ऊर्जा, जैविक खेती और कचरा प्रबंधन जैसी पहलें पर्यटकों को आकर्षित करती हैं और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करती हैं।

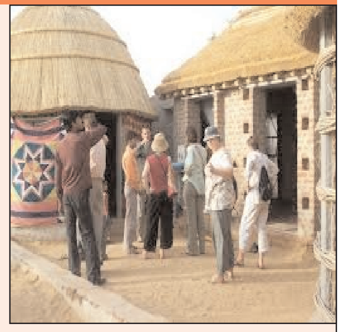

डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का उपयोग करके होमस्टे, हस्तशिल्प और स्थानीय व्यंजनों को वैश्विक बाजार तक पहुँचाया जा सकता है। उदाहरण के लिए, मेघालय के मावलिननॉन्ग गाँव, जिसे "एशिया का सबसे स्वच्छ गाँव" कहा जाता है, अपनी सतत पर्यटन नीतियों के कारण अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के बीच लोकप्रिय है। ग्रामीण पर्यटन केवल आर्थिक गतिविधि नहीं है, बल्कि यह शहरी और ग्रामीण समुदायों के बीच एक सेतु भी है। जब शहरी पर्यटक गाँवों में आते हैं, तो वे न केवल प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेते हैं, बल्कि स्थानीय जीवनशैली, परंपराओं और ज्ञान से भी परिचित होते हैं। यह अनुभव ग्रामीण समुदायों में आत्मविश्वास और सांस्कृतिक गर्व पैदा करता है। भविष्य में, ग्रामीण पर्यटन भारत के विकास का आधार बन सकता है। यह न केवल गाँवों की अर्थव्यवस्था को सशक्त करेगा, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक एकता को भी बढ़ावा देगा। यदि सही नीतियों और सामुदायिक सहयोग के साथ इसे लागू किया जाए, तो ग्रामीण पर्यटन भारत को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। ग्रामीण पर्यटन भारत के गाँवों के लिए एक सुनहरा अवसर है। यह न केवल आर्थिक विकास का साधन है, बल्कि सांस्कृतिक संरक्षण और सामाजिक सशक्तिकरण का भी आधार है। हर गाँव की अपनी अनूठी कहानी है, और ग्रामीण पर्यटन के माध्यम से ये कहानियाँ विश्व तक पहुँच सकती हैं। सरकार, समुदाय और निजी क्षेत्र के सहयोग से ग्रामीण पर्यटन भारत के विकास की नई दिशा बन सकता है, जो न केवल गाँवों को सशक्त करेगा, बल्कि पूरे देश को एक नई पहचान देगा। भविष्य में, ग्रामीण पर्यटन भारत के विकास का आधार बन सकता है। यह न केवल गाँवों की अर्थव्यवस्था को सशक्त करेगा, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक एकता को भी बढ़ावा देगा। सही नीतियों और सामुदायिक सहयोग के साथ, यह भारत को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। प्रत्येक गाँव की अपनी अनूठी कहानी है, और ग्रामीण पर्यटन के माध्यम से ये कहानियाँ विश्व तक पहुँच सकती हैं, जो भारत को एक नई वैश्विक पहचान देगा।

**प्रो. आरके जैन**

# सोना कितना सोना है सोने जैसा तेरा मन

सोना आम आदमी की पहुंच से बाहर हो चला है एक साल के भीतर 50फीसद दाम बढोत्तरी किसी भी दूसरी जिंस में नही देखने को मिली है लेकिन इसके बावजूद सोने के दाम की दौड़ जारी है यह कहां जाकर रुकेगा अभी ताज़ा अनुमान डेढ़ लाख रुपए प्रति दस ग्राम का लगाया जा रहा है। आपको बता दें कि भारतीय जन जीवन में सोने के आभूषणों का चलन सदियों से चला आ रहा है। भारतीयों के लिए सोना निवेश का कोई सर्वमान्य समाधान नहीं है। सोना हमारे रीति, रिवाज और परंपराओं में रचा-बसा है। चाहे दीवाली-अक्षय तृतीया का पर्व हो, बेटी की विदाई का भावपूर्ण अवसर हो या बहू को शगुन में उपहार भेंट करने का शुभ मौका। जीवन में इन तमाम महत्वपूर्ण अवसरों पर हमारे संस्कार और खुशियां सोने के बिना पूर्ण नहीं होती हैं। ऐसे में त्यौहारों के मौके पर और त्योहारों के कुछ दिन बाद शुरू होने वाले शुभ-लग्न में महंगा होना बहुत परेशान करेगा। कुछ सट्टेबाजों, निवेशकों के लिए बेशक हर दिन महंगा होता सोना कमाई का मौका हो सकता है लेकिन आम भारतीयों के लिए यह गंभीर चिंता और परेशानी व्व सचब बन गया है। त्योहारों और शादियों का मौसम है। बेटी की शादी होनी है, तो आप कुछ सोने के आभूषण बनवाने की सोच रहे होंगे, लेकिन बजट अनुमति नहीं देता, क्योंकि सोना आम आदमी के बजट से बाहर होता जा रहा है। दरअसल 10 ग्राम सोने के दाम 1.25 लाख रुपये तक पहुंच चुके हैं और चांदी भी 1.5 लाख रुपये के पार चली गई है। आम आदमी बेटी को सोना कैसे दे पायेगा? वर्ल्ड गोल्ड कार्डोसल का मानना है कि सोने में अब भी उतना निवेश नहीं हो रहा, जितना होना चाहिए। वैश्विक निजी निवेश में सोने की हिस्सेदारी मात्र 1-2 फीसदी ही है, जबकि केंद्रीय बैंकों में सोने का रिजर्व 10-20 फीसदी के बीच रहा है। फिर भी यह दिलचस्प और हैरान करने वाला तथ्य है कि 2022 की दीपावली के बाद से सोने की कीमतें

लगातार बढ़ रही हैं। विशेषज्ञों का आकलन है कि 2026 की दीपावली तक सोने के दाम और बढ़ सकते हैं, क्योंकि बड़े निवेशक और दुनिया भर के केंद्रीय बैंक सोने में लगातार निवेश कर रहे हैं। चीन का पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना सितंबर में लगातार 11 वें महीने सोने का शुद्ध खरीददार रहा है। यह डॉलर पर निर्भरता कम करने की चीन की रणनीति का हिस्सा है। 2025 में अभी तक घरेलू बाजार में सोने का रिटर्न करीब 60 फीसदी रहा है, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में यह रिटर्न करीब 53 फीसदी रहा है। गोल्ड ईटीएफ में भी इस साल अभी तक 17 फीसदी निवेश बढ़ चुका है। सितंबर में गोल्ड इंटीएफ में 1.53 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जोकि एक माह में सबसे अधिक है। मौजूदा दौर में सोना इतना महंगा और अनिवार्य हो गया है कि देशों की अर्थव्यवस्था की बुनियाद है, लेकिन आम आदमी के लिए मुसीबत, परेशानी का प्रतीक बन गया है। दरअसल सोने के दाम अमरीका से ही शुरू होते हैं, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय कारोबार डॉलर में ही होता है। जनवरी, 2025 में जब ट्रंप ने अमरीकी राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी, तो सोना 2700 डॉलर प्रति आउंस था। उनके 8 माह के कार्यकाल में सोना महंगा ही होता गया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने टैरिफ की बात शुरू की, तो देशों में अनिश्चितता फैलने लगी, नतीजतन सोना महंगा होता गया। देशों ने सोना खरीदना तेज किया, ताकि कमजोर होते डॉलर के विकल्प के रूप में सोने का भंडार हो। वैसे सोना पूर्व में भी महंगा और सस्ता होता आया है। 1970-80 का दौर याद कीजिए, जब सोना कई गुना महंगा हो गया था और वित्तीय सलाहकारों ने सोना खरीदने की सलाह दी थी, लेकिन 1999 तक सोने के दाम अचानक ध्वस्त हुए, तो निवेश भी घटा। 1990-91 के दौर में भारत सरकार को सोना गिरवी रखना पड़ा था, ताकि सामान्य खर्च चलाए जा सकें। फिर उदारीकरण का दौर आया, सोना वापस ले लिया गया, भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक स्तर पर खुल गई। आज देश में सोने का भंडार बढ़ रहा है। रिजर्व बैंक के पास 880 मीट्रिक टन सोने का भंडार है।

आरबीआई अपने फॉरेक्स एसेंट को डाईवर्सिफाई कर रहा है ताकि डॉलर का प्रभावी विकल्प मौजूद रहे। कई अन्य देशों के केन्द्रीय बैंक वही कर रहे हैं। ऐसा करने देशों की आर्थिक स्थिरता के लिए जरूरी हो सकता है, लेकिन यही वात आम आदमी के लिए बड़ा संकट बन गयी है। शादी-ब्याह में अब सोने का उपहार देना आम आदमी के बहुत कठिन हो गया है, लेकिन फिर भी हमारे नीति-रिवाज और संस्कार ऐसे हैं कि महंगे सोने को भी खरीदना पड़ेगा क्योंकि परंपराओं को निभाना भी जरूरी है। उधर जानकार लोगों का मानना है कि महंगाई के बावजूद सोना चलन में रहेगा हालांकि अधिक महंगाई के साथ ही मिलावट का भी सिलसिला बढेगा। आम आदमी सोने को खरीद पाएगा इसमे शंका उचित है फिर तो बस यही कहना होगा सोना कितना सोना है सोने जैसा तेरा मन..।

**मनोज कुमार अग्रवाल**

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

## संक्षिप्त खबरें

### तहसील से तीन किलोमीटर दूरी पर धड़ल्ले से जलायी जा पराली

**सीतापुर** 13 अक्टूबर जहां एक तरफ सरकार प्रदूषण को रोकने तथा जैविक खेती को बढ़ावा देने पर तत्पर्य है वहीं पर बक्शी का तालाब तहसील के आसपास के गांव के किसान पराली जलाने से बाज नहीं आ रहे। नगर पंचायत बक्शी का तालाब के रुदही गांव में लगभग एक हेक्टेयर से अधिक धान के खेत की पराली जलाई । परली का धुआं भी के टी तहसील सहित आसपास लगभग 7 से 8 किलोमीटर क्षेत्रफल में फैला रहा वहीं पर तहसील के कर्मचारी इस धुएं की अनदेखी कर रहे हैं। चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय के कृषि विशेषज्ञ डॉ सत्येंद्र कुमार सिंह ने बताया कि प्रमुख रूप से माटी में बहुत सारे लाभकारी जीवाणु होते हैं जो मृदा को उपजाऊ बनाने में मदद करते हैं पराली जलाने से वह नष्ट हो जाते हैं तथा मित्र कीट भी पराली जलाने से समाप्त हो जाते हैं । डॉ सिंह ने बताया कि किसान परली बिल्कुल ना जलाएं इसे मल्चिंग में उपयोग करें।

### चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी अजय शुक्ला का तालाब में मिला शव क्षेत्र में फैली सनसनी

**बिसवां/सीतापुर** नगरपालिका परिषद के विद्यालय श्री कृपा दयाल म्युनिसिपल इंटर कॉलेज में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी अजय शुक्ला का शव सोमवार को शीतला माता मंदिर के निकट स्थित तालाब में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। परिजनों के अनुसार अजय शुक्ला रविवार को घर से निकले थे, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे। सोमवार सुबह स्थानीय लोगों ने तालाब में शव देखा, जिसके बाद सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने सांडा और हुलासपुरवा के गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकाला और पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।प्रभारी निरीक्षक मुकुल प्रकाश वर्मा ने बताया कि रविवार रात से ही मृतक की तलाश जारी थी। सोमवार को शव बरामद होने के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। स्थानीय लोगों के मुताबिक, रविवार रात मृतक को शीतला देवी मंदिर के पास बने तालाब की ओर जाते देखा गया था। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

### श्रीकृष्ण-सुदामा की मित्रता के प्रसंग ने भिगो दिए श्रोताओं के नेत्र अभिवादनशीलता से बढ़ती है आयु और यश- आरपी ओझा

**लालगंज (रायबरेली)।** कस्बे के साकेत नगर मोहल्ला में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के अंतिम दिन कथा व्यास डॉ. आरपी ओझा ने भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता का प्रसंग सुनाकर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। पूरा वातावरण भक्ति रस से सराबोर हो उठा। डॉ. ओझा ने कहा कि सुदामा और श्रीकृष्ण की मित्रता सच्चे संबंधों की कहानी है। बताया कि जब गरीब ब्राह्मण सुदामा वर्षों बाद द्वारका पहुंचे तो भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं द्वार पर दौड़कर उनका स्वागत किया। उन्होंने सुदामा के पांव धोए, उन्हें आसन दिया। प्रेमपूर्वक उनका हालचाल पूछा। भगवान ने सुदामा के सूखे चिउड़े को ऐसे ग्रहण किया मानो अमृत हो। कहा कि भगवान के लिए धन नहीं भाव महत्वपूर्ण होता है। कथा व्यास ने आगे कहा कि मनुष्य को अपने पिता के वचनों का पालन करना चाहिए। भगवान श्रीराम ने पिता दशरथ की आज्ञा का पालन कर आदर्श स्थापित किया। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति विनम्र और अभिवादनशील होता है, उसके जीवन में यश, आयु, विद्या और सौभाग्य की वृद्धि होती है। पिता का अभिवादन करने से ग्यारह प्रकार की सिद्धियां प्राप्त होती हैं। इस मौके पर जेपी सिंह, एसएन सिंह, सुरेश दीक्षित, राकेश द्विवेदी, संतोष तिवारी, संजय तिवारी, अंशुमान सिंह, मंसू सिंह सहित तमाम भक्तगण मौजूद रहे।

# दीपावली से पहले बिजली कर्मियों को बोनस देने की उठी मांग- विद्युत मजदूर संगठन ने चेयरमैन को भेजा पत्र

**● .......संगठन ने कहा- 24 घंटे निर्बाध आपूर्ति देने वाले कर्मचारियों का बोनस वर्षों से लंबित, 20 अक्टूबर से पहले भुगतान हो**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**लखनऊ।** दीपावली पर्व से पूर्व विद्युत मजदूर संगठन उत्तर प्रदेश ने बिजली कर्मियों को बोनस भुगतान की मांग उठाई है। सोमवार, 13 अक्टूबर 2025 को संगठन ने उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (PPCL) के चेयरमैन को पत्र भेजकर आग्रह किया कि दीपावली से पहले वित्तीय वर्ष 2024-25 सहित पूर्व वर्षों का लंबित बोनस भुगतान तत्काल कराया जाए।

संगठन के अध्यक्ष विमल चंद्र पांडेय और मुख्य महामंत्री श्रीचन्द्र ने संयुक्त बयान जारी कर कहा कि दीपावली का पर्व उल्लास और प्रकाश का प्रतीक है, जिसे पूरे देश में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। ऐसे में बिजली विभाग के कर्मचारी इस खुशी में भी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए 24 घंटे निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने कहा कि यदि त्योहार से पूर्व बोनस का भुगतान हो जाता है, तो कर्मचारियों के अंदर उत्साह और प्रसन्नता का माहौल बनता है, जिससे उनकी कार्यक्षमता भी बढ़ती है। नेताओं ने यह भी बताया कि पिछले कई वर्षों से बोनस भुगतान में देरी होती आ रही है, जिससे कर्मचारियों में असंतोष व्याप्त है। इस वर्ष दीपावली 20 अक्टूबर को पड़ रही है, ऐसे में संगठन ने चेयरमैन से अनुरोध किया है कि समय रहते बोनस का भुगतान सुनिश्चित किया जाए, ताकि विद्युत कर्मी भी अपने परिवार के साथ खुशीपूर्वक दीपावली मना सकें।

### एल्पिस ग्लोबल स्कूल में विद्यार्थियों के बहुमुखी विकास हेतु 13 से 16 अक्टूबर तक धूमधाम से मनाया गया चतुर्दिवशीय कार्यक्रम

**बिसवां सीतापुर** बिसवां शहर के एल्पिस ग्लोबल स्कूल में विद्यार्थियों के बहुमुखी विकास हेतु दिनांक 13 से 16 अक्टूबर 2025 तक चतुर्दिवसीय कार्यक्रम बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस शो में विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के रोचक एवं शैक्षणिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये, छात्रों ने अपने अभिनय कौशल द्वारा सभ्य समाज को एक नई दिशा देने का संदेश दिया। इस भव्य कार्यक्रम के प्रथम दिवस में विद्यालय के डायरेक्टर उमंग राजवंशी ने दीपप्रज्वलित करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया, तथा परिसरीय छात्रों के प्रतिभा प्रदर्शन को देखकर प्रमुदित मन से शुभाशीष देते हुए उत्कृष्ट सफल प्रदर्शन हेतु विद्यार्थियों समेत समस्त शिक्षकों को बधाई दी। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती दीपा चंद्रा ने सभी विद्यार्थियों के कला, कौशल की प्रशंसा करते हुए संस्था की सतत् उन्नति की कामना के साथ उपस्थित सभी शिक्षकों, अभिभावकों एवं कर्मचारियों को कार्यक्रम की सफलता हेतु आभार व्यक्त किया।

## पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफ़्तार, दस लाख क़ीमत का आठ कुंतल अवैध विस्फोटक किया बरामद

**सीतापुर** जनपद सीतापुर में दीपावली से पहले पुलिस ने बड़ा विस्फोटक बरामद किया है रविवार देर रात अटरिया थाना पुलिस ने धरावा मोड़ के पास छापेमारी कर करीब 8 कुंतल अवैध विस्फोटक सामग्री बरामद की है। मौके से पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनकी पहचान मनीष कुमार निवासी रनुवापारा और मो. तौसीफ निवासी कस्बा अटरिया के रूप में हुई है। बरामद विस्फोटक सामग्री की अनुमानित कीमत करीब 10 लाख रुपए बताई जा रही है। सीओ सिधौली कपूर कुमार ने बताया कि अटरिया कोतवाल उमाकांत शुक्ला को गुप्त सूचना मिली थी कि क्षेत्र में अवैध तरीके से विस्फोटक सामग्री बेची जा रही है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए कोतवाल ने टीम गठित कर रविवार देर रात धरावा मोड़ स्थित एक दुकान पर छापा मारा। तलाशी के दौरान भारी मात्रा में पटाखों में प्रयुक्त होने वाली विस्फोटक सामग्री बरामद हुई पुलिस के अनुसार, पकड़े गए दोनों आरोपी दीपावली के मौके पर इस अवैध विस्फोटक सामग्री को छोटे व्यापारियों और पटाखा दुकानदारों को ऊंचे दामों पर बेचने की फिराक में थे। पुलिस ने मौके से सामग्री जब्त कर उसे सील कर दिया है बरामद विस्फोटक का नमूना जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है ताकि यह पता लगाया जा सके कि उसमें कौन-कौन से रासायनिक तत्व प्रयुक्त किए गए हैं सीओ कपूर कुमार ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ विस्फोटक अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेजने की कार्रवाई की गई है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि अवैध विस्फोटक सामग्री की सप्लाई कहां से की जा रही थी और इसके नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने कहा है कि दीपावली से पहले जनपद में अवैध विस्फोटक व पटाखा निर्माण एवं बिक्री के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी ऐसे किसी भी अवैध कारोबार में लिप्त लोगों को बख्शा नहीं जाएगा!!

# श्रद्धा और भक्ति से गूंजा वृंदावन- जनकल्याण समिति ने आयोजित किया 16 वां विशाल मां भगवती जागरण

**● .......भक्ति गीतों और झांकियों से भक्त हुए मंत्रमुग्ध, प्रमुख अतिथियों की मौजूदगी में हुआ भव्य आयोजन, रविवार को हुआ विशाल भंडारा।**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**लखनऊ।** राजधानी लखनऊ के पीजीआई क्षेत्र स्थित वृंदावन आवासीय परिसर में शनिवार की रात श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। वृंदावन आवासीय जनकल्याण महासमिति के तत्वावधान में आयोजित 16वां मां भगवती का विशाल जागरण भक्तिमय माहौल में संपन्न हुआ। मां भगवती के जयकारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। जागरण के दौरान प्रसिद्ध गायक जय श्री यादव, पंडित धीरज तिवारी और करण जौहरी ने अपने भक्तिमय गीतों से श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। उपस्थित श्रद्धालु देर रात तक मां भगवती की महिमा में लीन होकर भक्ति रस का आनंद लेते रहे। जागरण के दौरान लड्डू-योगा ग्रुप के सदस्यों द्वारा प्रस्तुत की गई मनमोहक झांकियों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। इस अवसर पर क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। प्रमुख रूप से बदलापुर जौनपुर के विधायक श्री रमेश चंद्र मिश्रा, आईपीएस अधिकारी श्री घनश्याम चौरसिया, डॉ. रमापति त्रिपाठी, सरोजिनी नगर विधायक प्रतिनिधि श्री के.एन. सिंह, पार्षद पति श्री सुनील कुमार रावत, एएसपी श्री अनिल कुमार यादव और केवीएम इंटर कॉलेज के प्रबंधक डॉ. अजय यादव उपस्थित रहे।

जागरण के सफल समापन के बाद रविवार की प्रातः बेला में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। योगा ग्रुप के सदस्यों ने सेवा भाव से भंडारे का प्रसाद वितरित किया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष इंजीनियर लाल बहादुर पांडेय ने बताया कि सभी सदस्यों ने पूर्ण निष्ठा, समर्पण और उत्साह के साथ आयोजन को सफल बनाने में योगदान दिया। उन्होंने सभी सहयोगियों और श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मां भगवती की कृपा से यह आयोजन हर वर्ष और अधिक भव्य रूप में संपन्न होता रहेगा।

## धरने का कारण बना एडीओ पंचायत की लापरवाही- सरोज सिंह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**इमलिया सुल्तानपुर सीतापुर।** ग्राम पंचायत में स्वच्छ भारत मिशन अन्तर्गत 47 शौंचालय का धन गमन हो गया, ग्राम पंचायत सदस्यों की लिखित मांग के बावजूद ग्राम सचिवालय/पंचायत भवन का उपयोग नहीं हुआ, विद्यालय कायाकल्प न कराकर पक्के कार्य पर धन व्यय कर दिया। 16 जनवरी 2024 को उचितदर विक्रेता चयन बैठक की फाइल गायब कर दी गई। बीडीओ कार्यालय से लेकर आईजीआरएस के माध्यम से समय समय पर शिकायतें होती रहीं। राज्य/केन्द्रीय वित्त व एसबीएम निधि पंचायत विभाग के आधीन होने के चलते एडीओ पंचायत को जांच मिलती रही। जांच के नाम पर मात्र खाना पूर्ति कर अपने अधीनस्थ को बचाते रहे। मामला तो तब बिगड़ा जब एडीओ पंचायत ने कोटा चयन बैठक हेतु अगली तिथि न देने की पैरवी करते हुये अपने पद का दुरूपयोग करके रिस्तेदारी निभाने लगे। उक्त आरोप धरने की अगुवाई कर रहे वरिष्ठ पत्रकार सरोज सिंह का है। श्री सिंह ने बताया कि वर्ष 2020/21 में स्वच्छ भारत मिशन अन्तर्गत बनने वाले व्यक्ति गत शौंचालय की धनराशि तत्कालीन प्रधान व सचिव ने निकाली थी। उक्त धनराशि से बनने वाले 47 शौंचालय न बनवाकर धन व्यपहरण कर लिया था। जिसकी शिकायत ग्राम पंचायत के सरायंजीत निवासी उमेश पाल सिंह ने पहले बीडीओ कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई। जब जांच नहीं हुई तो 27-10-2023 को आईजीआरएस संख्या 4001542 3072301 के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई। तो अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते हुये उन्हे पंचायतराज शासनादेश 18 अप्रैल 2019 का हवाला देकर निस्तारण रिपोर्ट प्रेषित कर दी। जब उक्त शासनादेश के अन्तर्गत उमेश पाल सिंह ने पुनः 2 फरवरी 2024 को शपथ पत्र व साक्ष्य के साथ शिकायत दर्ज कराई तो शिकायती पत्र सहित फाइल गायब कर दी गई। श्री सिंह ने बताया कि पंचायत भवन संचालित करने के लिये मेरे साथ चार सदस्यों ने बीडीओ कार्यालय में दिनांक 08-01-2024 को प्रार्थना पत्र दिया। जांच व कार्यवाही हेतु तत्कालीन बीडीओ ने एडीओ पंचायत को लिखा। फिर भी पंचायत भवन नहीं खुला। जो गांव के विकास का केन्द्र होने के साथ साथ मुख्यमंत्री की प्रथम वरीयता में भी है। वहीं 14 मई 2025 को बीडीओ कार्यालय में शिकायती पत्र रिसीव कराते हुये मैने जूनियर विद्यालय सरायंजीत में शौंचालय निर्माण कराने, टायलीकरण के धन दुरूपयोग आदि की शिकायत मेरे द्वारा दर्ज कराई गई। जांच एडीओ पंचायत को मिली, इसके अतिरिक्त आईजीआरएस के माध्यम से भी शिकायत दर्ज कराई। जांच के नाम पर मुझ शिकायत कर्ता को बिना बताये ही एडीओ पंचायत ने फर्जी रिपोर्ट लगा दी। यह कहां का नियम है। जबकि राज्य वित्त/केन्द्रीय वित्त, एसबीएम व एसएलडब्लूएम जैसी योजनाओं पर निगरानी रखने की जिम्मेदारी स्वयं एडीओ पंचायत की होती है। जिसके एवज में भ्रमण भत्ता भी तयं है। एडीओ पंचायत की इसी लापरवाही ने ग्रामीणों को अनिश्चित कालीन धरने व भूंख हड़ताल करने पर मजबूर किया है। भूंख हड़ताल पर बैठे दो लोग धीरे धीरे गंभीर होने लगे हैं। धरने पर बैठे हम ग्रामीणों के साथ यदि कोई अप्रिय घटना होती है। तो हम सीधे डीपीआरओ को जिम्मेदार मानेगे।

### नागेश प्रताप सिंह बने मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय सचिव

**● .......समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव की स्वीकृति पर हुआ मनोनयन, पार्टी नेताओं ने दी शुभकामनाएं।**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**स्त्र** समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की स्वीकृति से मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिद्धार्थ सिंह ने लखनऊ के युवा समाजसेवी नागेश प्रताप सिंह को ब्रिगेड का राष्ट्रीय सचिव मनोनीत किया है। पार्टी संगठन के प्रति उनकी सच्ची निष्ठा, सक्रियता और समर्पण को देखते हुए यह जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है।

मनोनयन की सूचना मिलते ही कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष अमरपाल सिंह, पूर्व विधायक अमरीश सिंह पुष्कर, उपाध्यक्ष नवनीत सिंह, अरुणेश प्रताप सिंह दल्लू, गौरव जायसवाल, आंबेडकर वाहिनी के जिला अध्यक्ष राजकिशोर राजू, जिला सचिव मोहम्मद आरिफ कुरेशी, नितुल शर्मा और सतीश गुप्ता सहित पार्टी के अनेक पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना की।

राष्ट्रीय सचिव बनाए जाने पर नागेश प्रताप सिंह ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और राष्ट्रीय अध्यक्ष सिद्धार्थ सिंह के प्रति आभार जताते हुए कहा कि– "पार्टी ने जो भरोसा जताया है, उस पर खरा उतरने के लिए मैं पूरी निष्ठा और ईमानदारी से काम करूंगा। संगठन को मजबूत करने और समाजवादी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का हर संभव प्रयास करूंगा।"

### अमेठी सांसद केएल शर्मा के सम्मान में कांग्रेसियों ने मनाया जश्न

**लालगंज (रायबरेली)।** कस्बे के ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय में सोमवार को अमेठी सांसद केएल शर्मा के सम्मान में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उत्सवपूर्वक कार्यक्रम आयोजित किया। ब्लॉक अध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह की अगुवाई में आयोजित इस कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर सांसद के प्रति अपनी श्रद्धा और समर्थन व्यक्त किया। सभी ने सांसद के कुशल नेतृत्व की सराहना करते हुए उनके मार्गदर्शन में संगठन को और सशक्त बनाने का संकल्प लिया। केक काटकर उनके दीर्घायु होने और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश सोशल मीडिया प्रकोष्ठ के कमल सिंह चौहान, जिला सचिव एवं प्रभारी सरेनी कामता प्रसाद गौड़, मंडल अध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता, राजेंद्र बहादुर सिंह, शिवबरन सिंह चौहान, राजबाबू, मेवालाल और महेंद्र कुमार सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## रेल कोच फैक्ट्री के सीनियर टेक्नीशियन से फिरौती मांगने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

**● घटना में इस्तेमाल वैगनआर कार हुई बरामद**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**लालगंज (रायबरेली)।** आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना में कार्यरत सीनियर टेक्नीशियन से दो लाख की फिरौती लेने के लिए कार सवार दो लोगों ने रविवार की देर रात उसे कार में भरकर अपहृत कर लिया। आरोपियों ने कर्मचारी के साथ जमकर मारपीट की। पीड़ित कर्मचारी किसी तरह जान बचाकर भागा और घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने छापी मेरी कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उन्हें जेल भेज दिया। संजय कुमार मीणा आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना में सीनियर टेक्नीशियन के पद पर तैनात हैं। रविवार की देर शाम को वह स्कूटी से सब्जी खरीदने को घर से निकले थे। तभी दो कार सवार युवकों ने मारपीट कर उसे कार में भर लिया और आरोपियों ने उसे दो लाख रुपए फिरौती के रूप में मांगे। पीड़ित ने आरोप लगाया कि दोनों ने उसे जाति सूचक गलियां भी दी। रास्ते में जब दोनों आरोपी पेशाब करने के लिए उतरे तो मौका पाकर कर्मचारी भाग निकला और घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने मामले में फौरन केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की। सोमवार को पुलिस टीम ने सोहवल दीपेमऊ निवासी भूपेंद्र उर्फ रिशु सिंह व डलमऊ थाना क्षेत्र के नरहरपुर कल्याणपुर बेती गांव निवासी वैभव उर्फ अभय सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास अपहरण में प्रयुक्त की गई वैगनआर कार लकड़ी का फट्ठा व लोहे का कड़ा बरामद किया। दोनों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पुलिस के मुताबिक आरोपी भूपेंद्र उर्फ रिशु सिंह अपराधी किस्म का है। उसके विरुद्ध कई संगीन धाराओं में आधा दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर दोनों आरोपियों के विरुद्ध एससी एसटी सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की गई दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

## डीएम ने विद्युत विभाग की समीक्षा बैठक कर, दिए कड़े निर्देश

**● किसानों की बिजली संबंधित समस्याओं को प्राथमिकता से सुना जाए-डीएम**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**रायबरेली,** जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह के साथ जनता की सुविधाओं को सर्वोपरि रखते हुए विद्युत आपूर्ति से जुड़ी शिकायतों के निस्तारण में पारदर्शिता एवं तत्परता लाने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभागार में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की।

जिलाधिकारी ने बैठक में जनसामान्य से प्राप्त शिकायतों, ओवर बिलिंग की समस्याओं तथा नए विद्युत कनेक्शन आवेदनों पर कार्यवाही की प्रगति की विस्तारपूर्वक समीक्षा की। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि जनता की शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, किसी भी उपभोक्ता को अनावश्यक बिलिंग की समस्या न हो।

पुलिस अधीक्षक ने निर्देशित किया कि विद्युत उपकेंद्रों पर नियमित निगरानी रखी जाए तथा विद्युत चोरी रोकने के लिए प्रभावी सतर्कता अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारियों द्वारा नए विद्युत कनेक्शन के आवेदनों पर समयबद्ध कार्रवाई की जाए ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

बैठक में संबंधित अधिकारियों को चेतावनी दी गई कि शिकायतों की अनदेखी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि विद्युत विभाग की कार्यशैली आमजन के प्रति जवाबदेही पूर्ण होनी चाहिए तथा प्रत्येक उपभोक्ता को सुचारु बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। बैठक में विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता विद्युत वितरण मंडल प्रथम नेकी राम, वितरण मंडल द्वितीय मुकेश कुमार, संदीप श्रीवास्तव, अवर अभियंता प्रवर्तन दल विनय रावत सहित अन्य कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

## अवध विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में डॉ. विजय कुमार शुक्ला को पीएचडी की उपाधि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**अयोध्या।** डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में शनिवार को आयोजित भव्य 30वें दीक्षांत समारोह में माननीया राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदी बेन पटेल की गरिमामयी उपस्थिति में विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गई। इस अवसर पर डॉ. विजय कुमार शुक्ला को उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक योगदान के लिए पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किया गया। डॉ. विजय कुमार शुक्ला ने बायोकेमिस्ट्री विषय में अपना शोधकार्य विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक प्रोफेसर फ़र्रुख़ जमाल के निर्देशन में पूर्ण किया है। उनके शोध कार्य को अकादमिक जगत में विशेष सराहना प्राप्त हुई है। उन्होंने अपने अनुसंधान के माध्यम से बायोकेमिस्ट्री के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण निष्कर्ष प्रस्तुत किए हैं, जो आने वाले शोधार्थियों के लिए उपयोगी साबित होंगे।

डॉ. विजय के अनेक शोध पत्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय जर्नलों में प्रकाशित हो चुके हैं। उनके शोध की गुणवत्ता और नवीनता ने उन्हें न सिर्फ विश्वविद्यालय, बल्कि वैज्ञानिक समुदाय में भी एक विशिष्ट पहचान दिलाई है। गोंडा जिले के नवाबगंज तहसील के ग्राम कटरभोगचंद निवासी डॉ. विजय कुमार शुक्ला की इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में हर्ष की लहर दौड़ गई है। स्थानीय लोगों, परिजनों और शिक्षकों ने इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। ग्रामीणों का कहना है कि डॉ. विजय की यह सफलता नवयुवकों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

दीक्षांत समारोह के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति, प्राध्यापकगण, शोधार्थी तथा

बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। इस अवसर पर राज्यपाल श्रीमती आनंदी बेन पटेल ने कहा कि आज के युग में शोध और नवाचार ही राष्ट्र की प्रगति की आधारशिला हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से देशहित में ज्ञान और अनुसंधान को समर्पित करने का आह्वान किया। डॉ. विजय कुमार शुक्ला की यह उपलब्धि न केवल अवध विश्वविद्यालय, बल्कि संपूर्ण गोंडा जनपद के लिए भी गौरव का विषय है।

## धीरेंद्र सिंह को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**बरेली/**उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आयोजित भव्य कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2025* के विजेताओं को सम्मानित किया। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में बरेली के युवा वक्ता धीरेंद्र सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त कर जनपद वा प्रदेश का नाम पूरे देश में गौरवान्वित किया था। मुख्यमंत्री जी ने धीरेंद्र सिंह को टेबलेट और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। यह सम्मान उन्हें देशभर के हजारों युवाओं के बीच अपनी ओजस्वी वाणी, गहन राजनीतिक समझ और राष्ट्र निर्माण के विचारों के लिए प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा- देश का भविष्य इन जैसे युवाओं के हाथों में सुरक्षित है, जो विचार और कर्म दोनों से भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प रखते हैं।

इस अवसर पर धीरेंद्र सिंह ने कहा- यह सम्मान केवल मेरा नहीं, बल्कि उन सभी युवाओं का है जो विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए दिन-रात प्रयासरत हैं। मेरा लक्ष्य है- युवाओं को जागरूक, सशक्त और राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ना।

### देर रात से लापता युवक का मिला शव इलाके में फैली सनसनी, घर से दो किमी दूर मिला युवक का शव

**सीतापुर** जनपद सीतापुर के महोली कोतवाली क्षेत्र के उरदौली गांव में सोमवार को एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से हड़कंप मच गया। जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान अनुराग पुत्र गोविंद निवासी उरदौली के रूप में हुई है बताया जा रहा है कि अनुराग रविवार की रात घर से टहलने के लिए निकला था, लेकिन देर रात तक वह घर नहीं लौटा सोमवार सुबह करीब 12 बजे गांव से करीब दो किलोमीटर दूर स्थित नहर कोठी की छत पर उसका शव पड़ा मिला परिजनों और ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची महोली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

घटनास्थल के आसपास किसी तरह की संघर्ष के निशान नहीं मिले हैं प्रथम दृष्टया मामला जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या किए जाने का प्रतीत हो रहा है हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच में जुटी है। गांव में चर्चा है कि युवक किसी युवती से प्रेम प्रसंग को लेकर तनाव में था, जिसके चलते उसने यह कदम उठाया हो सकता है। वहीं परिजनों ने अनहोनी की आशंका जताई है और कहा है कि अनुराग ने कभी भी किसी तरह की निराशा जाहिर नहीं की थी सीओ महोली नागेंद्र चतुर्वेदी ने बताया कि मौत के कारणों का अभी स्पष्ट रूप से पता नहीं चल सका है। परिवारजन भी स्थिति को लेकर कुछ स्पष्ट नहीं बता पा रहे हैं शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह सामने आ सकेगी!!

# संक्षिप्त खबरें

## श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा क्लब आर्यभट्ट के दीवाली महोत्सव और काली पूजा पंडाल की तैयारी जोर-शोर से चल रही है

**श्रीभूमि-** श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा स्टेशन रोड पर 1973 में स्थापित क्लब आर्यभट्ट की कालीपूजा का कार्य जोरदार ढंग से चल रहा है। साथ ही, पूजा को सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए नई समिति का गठन किया गया है। इसमें अध्यक्ष पद पर राजीव दास, उपाध्यक्ष देवार्घ सेनगुप्ता और दिवाकर कुमार, सचिव दीपक देवनाथ साथ ही सह-सचिव दीपांजन दास और अभिजीत विश्वास, कोषाध्यक्ष ऋषभ दास हैं। सलाहकार मंडल में शुभेंदु दास, चंदन पाल, दीपक दास, बाबुल भौमिक, अशोक सेनगुप्ता, सुजय राय, देवाशीष सेनगुप्ता, कृष्णपद मालाकार, दीपरदीप दास सहित अन्य सदस्य हैं। दीपावली महोत्सव और कालीपूजा के अवसर पर आगामी 20 अक्टूबर (सोमवार) को समिति के सदस्यों द्वारा निर्मित पंडाल का उद्घाटन लोकप्रिय विधायक विजय मालाकार करेंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत रात 8 बजे स्थानीय कलाकारों के साथ कार्यक्रम की जाएगी। कालीपूजा के अवसर पर प्रसाद ग्रहण करने और क्षेत्र के सभी को इस दिन उपस्थित रहने के लिए आयोजकों की ओर से विनम्र अनुरोध किया गया।

## पुत्री को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप

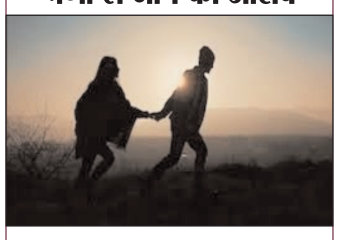

**ललितपुर।** थाना बार अंतर्गत एक गांव में रहने वाली महिला ने पुलिस को शिकायत दी है। बताया कि 11 अक्टूबर को अपराह्न करीब 12 बजे वह पुरानी बाखर में गयी थी। इस समय घर में उसकी 19 वर्षीय पुत्री अकेली थी। जब वह लौटकर आयी तो उसने देखा कि उसकी पुत्री घर में नहीं थी। खोजबीन करने पर पुत्री का कोई पता नहीं चला। महिला का आरोप है कि ग्राम दौलता निवासी शिवा पुत्र विजय वंशकार उसकी पुत्री को बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर शिवा वंशकार के खिलाफबीएनएस की धारा 87 के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

## विष्णुपुरा में सरेआम मारपीट का वीडियो वायरल, चार दबंगों पर केस दर्ज

**ललितपुर।** सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला विष्णुपुरा में चार दबंगों ने एक व्यक्ति को रास्ते में रोककर गाली-गलौज और मारपीट की। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पीड़ित बृजेंद्र उर्फ बिरजू ने बताया कि 12 अक्टूबर को वह दूध और सब्जी लेने बाजार जा रहा था, तभी मोहल्ले के ही ऋऋलभ, रवि, सोनू और गुड़िया ने उसे घेर लिया और मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ 115(2), 352, 351(3) धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## रामनगर में व्यक्ति से सरेआम मारपीट, पत्नी की शिकायत पर मामला दर्ज

**ललितपुर।** सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला रामनगर में एक व्यक्ति को रास्ते में रोककर पांच लोगों ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। पीड़ित की पत्नी ने थाने में शिकायत दी, जिसके आधार पर मामला दर्ज किया गया। काशीराम कॉलोनी निवासी रेखा ने बताया कि 11 अक्टूबर की सुबह उसका पति संतोष काम पर जा रहा था, तभी मंगल सहरिया और चार अन्य लोगों ने मिलकर उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। सदर कोतवाली पुलिस ने शिकायत के आधार पर पांचों आरोपियों के खिलाफधारा 115(2), 352, 351(3) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

# SECL अमलाई ओपनकास्ट में बड़ा हादसा- मिट्टी धंसने से डोजर और डंपर ऑपरेटर मलवा में दबे

### ● निशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य जागरूकता शिविर सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिनेश चौधरी की रिपोर्ट

**शहडोल** जिले के SECL अमलाई ओपनकास्ट माइंस में शनिवार को बड़ा हादसा हो गया.. जहाँ मिट्टी धंसने से एक डोजर और डंपर समेत ऑपरेटर दलदल में समा गए..हादसे के बाद से ऑपरेटर का कोई पता नहीं चल सका है..बताया जा रहा है कि मिट्टी फीलिंग के दौरान यह हादसा हुआ है जिसमें मिट्टी का बड़ा हिस्सा अचानक खिसक गया और मशीन सहित ऑपरेटर गहराई में धंस गए.. वही रात होने की वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन तुरंत शुरू नहीं हो सका, रविवार सुबह 7 बजे से रेस्क्यू शुरू किया जाना था, लेकिन वास्तविक कार्रवाई सुबह 10:30 बजे के बाद प्रारंभ हुई..मौके पर पहुंची SDERF की टीम सिर्फ एक नाव के सहारे डोजर और डंपर की खोजबीन कर रही है..बताया जा रहा है कि स्श्वष्टरुप्रबंधन के पास ऐसे हादसों से निपटने के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध ही नहीं है..जिससे बचाव कार्य में देरी हो रही है.

हादसे की जानकारी मिलते ही शहडोल कलेक्टर डॉ केदार सिंह और एसपी रामजी श्रीवास्तव मौके पर पहुंचे कलेक्टर ने बताया कि पीड़ित परिवार को 45 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि प्रबंधन द्वारा दी जा रही है.. इसके अलावा, "हम प्रबंधन से बात कर रहे हैं कि परिवार को और क्या आर्थिक या अन्य लाभ दिलाया जा सकता है," कलेक्टर ने कहा..

घटनास्थल की स्थिति बेहद गंभीर बताई जा रही है.. जिस क्षेत्र में मिट्टी फीलिंग का कार्य चल रहा था, उसकी गहराई लगभग 50 फीट ज्यादा बताई जा रही है जिसके कारण स्थानीय स्तर पर रेस्क्यू में कठिनाई आ रही है..प्रशासन ने बताया कि बनारस, प्रयागराज और जबलपुर से विशेष रेस्क्यू टीमें बुलाई गई है जिससे रेस्क्यू कर में गति लाया जा सके..

**प्रत्यक्षदर्शियों का बयान**

हादसे के समय मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने बताया कि यह घटना उनकी आंखों के सामने हुई..कुछ श्रमिकों ने किसी तरह अपनी जान बचाई और जो दो कर्मचारी फसें थे उन्हें भी बाहर निकाला.. उन्होंने दावा किया कि स्श्वष्टरुप्रबंधन को पहले से ही इस बात की जानकारी दी गई थी कि उस क्षेत्र में मिट्टी खिसक रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, "उसी दिन शाम करीब 5 बजे मिट्टी का बड़ा हिस्सा खिसक गया था, जिसकी सूचना कर्मचारियों ने SECL और R.K.T.C कंपनी को दी थी..इसके बावजूद भी मिट्टी फीलिंग का कार्य नहीं रोका गया।"

**इसके कुछ देर बाद ही ये हादसा हो गया..**

लापता ऑपरेटर के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है.. ऑपरेटर का परिजन मऊगंज से मौके पर पहुंचे हैं..उनका आरोप है कि "यह सिर्फ हादसा नहीं, बल्कि प्रबंधन की लापरवाही से हुई हमें समय पर इस घटना कि जानकारी भी नही दी गई..

**SECL प्रबंधन की चुप्पी**

अब तक SECLप्रबंधन ने ऑपरेटर की मौत की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है वही घटना को लगभग 23 घंटे बीत जाने के बाद भी न तो बॉडी मिली है और न ही मशीनें, जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि स्थिति बेहद गंभीर है..

इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों और श्रमिकों में भारी नाराजगी है..लोगों का कहना है कि स्श्वष्टरु प्रबंधन सुरक्षा मानकों की लगातार अनदेखी कर रहा है..मजदूरों की सुरक्षा के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं..

ग्रामीणों ने कहा कि यदि पहले ही रेस्क्यू और सुरक्षा इंतजाम दुरुस्त होता, तो शायद आज एक जान बचाई जा सकती थी..

शहडोल के अमलाई ओपनकास्ट में हुआ यह हादसा कई सवाल छोड़ गया है- क्या SECL में सुरक्षा सिर्फ कागजों पर है.?

लापरवाही, देरी और जिम्मेदारी से बचने की कोशिश- क्या इस लापरवाही की कीमत एक और मजदूर को अपनी जान देकर चुकानी पड़ेगी.?

सुनील कुशवाहा, डंपर ऑपरेटर का भाई, बी के जेना, जीएम (SECL सोहागपुर क्षेत्र), केदार सिंह, कलेक्टर शहडोल, अभिषेक द्विवेदी, ग्रामीण, सूर्य प्रकाश रजक, प्रत्यक्ष दर्शी RKTC ठेका कंपनी का कर्मचारी, प्रदीप शर्मा, प्रत्यक्ष दर्शी RKTC कर्मचारी

# दूध-सब्जी लेने जा रहे युवक पर हमला

**ललितपुर।** सिटी चौकी क्षेत्रांतर्गत मोहल्ला विष्णुपुरा में हुये खूनी संघर्ष के बाद कोतवाली पुलिस ने पीड़ित पक्ष की ओर से शिकायती पत्र के आधार पर एफआईआर दर्ज की है। पीड़ित पक्ष की ओर से विष्णुपुरा निवासी बृजेन्द्र कुमार उर्फ बृजू ने बताया कि 12 अक्टूबर को सुबह करीब सवा नौ बजे वह दूध, सब्जी लेने के लिए जा रहा था। तभी मोहल्ले में रहने वाले रिषव, शनि पुत्रगण लक्ष्मन, सोनू पुत्र कल्लू व लक्ष्मन एकराय होकर आये और बिना कारण गालियां देने लगे। मना करने पर उक्त लोगों ने मारपीट कर दी और पुत्री के बाल पकड़कर खींच दिये। घटना के बाद उक्त लोगों ने जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर उक्त लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

# लोकायुक्त छापा कार्यवाही के बाद समिति प्रबंधक पर कोई असर नही

### ● समिति व लैम्पस में मची लूट जिला प्रषासन उदासीन सी.एम. से हुई षिकायत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**बुढ़ार।** जिस तरह सहकारी समितियों में लूट का खेल समूचे प्रदेष स्तर में शहडोल जिले का नाम रोषन होता रहा उसी कड़ी में समिति प्रबंधक चुहरी दिनकर प्रसाद तिवारी जो चर्चित भ्रष्टाचारी कमीषन खोरी फर्जी पंजीयन कर धान व गेंहू में लाखों का घोटाला कर आय से ज्यादा सम्पत्ति अर्जित करने का मातहत हासिल करने वाले समिति प्रबंधक दिनकर प्रसाद को रंगे हाथ लोकायुक्त पुलिस ने वर्ष 2019 में पकड़ी लेकिन कार्यवाही शून्य जिस कारण और तेजी से घोटाले व धाधली का काम समिति प्रबंधक चुहरी द्वारा किए जाने से सर्वत्र चर्चा है स्थानीय दर्जनों व समिति के सदस्यों ने संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों तक षिकायत कर शीघ्र चुहरी समिति प्रबंधक को हटाने की मांग की गई थी, लेकिन बड़े आष्चर्य की बात है, जो लोकायुक्त के कार्यवाही में लिप्त हो कमीषन लेते रंगे हाथ पकड़ा गया हो उसके उपर लोकायुक्त की कार्यवाही ठंडे बस्ते में जिला प्रषासन भी मौन धारण कर अभय दान दे रखा गया हो, क्षेत्र के किसानों व समिति के सदस्यों ने खुलेआम कह रहे है कि भ्रष्टाचार को हटाओं लेकिन उपायुक्त सहकारिता एवं जिला कलेक्टर सुन नही रहे।

भ्रष्टाचार व कमीषन खोरी में लिप्ट दिनकर प्रसाद तिवारी के ऊपर कानूनी कार्यवाही के साथ पदमुक्त कर वरिष्ठ अधिकारियों से जॉच की मांग जनता दल यू किसान सभा के प्रदेष अध्यक्ष, पूर्व भाजस अध्यक्ष विधायक दल नेता निजी सचिव, सम्पादक बी.पी.तिवारी ने मुख्यमुत्री सहित सभी संबंधित अधिकारियों को पत्र लिखकर शीघ्र वैधानिक कार्यवाही की मांग की है। जिला प्रषासन द्वारा शीघ्र कार्यवाही न होने पर प्रदेष नेता तिवारी ने प्रदेष के मुख्यमंत्री से मिलकर कानूनी कार्यवाही कराने की पूरजोर कोषिष की जाएगी।

# लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ ही नहीं बल्कि अभिन्न अंग है मीडिया- डॉ विजय जौली

### ● संगम विहार में भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ विजय जौली ने दक्षिणी दिल्ली पत्रकार संघ के पदाधिकारियों का किया सम्मान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

स्वतंत्र सिंह भुल्लर नई दिल्ली

**नई दिल्ली:** दक्षिणी दिल्ली के मंगल बाजार रोड, संगम विहार में भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ विजय जौली ने दक्षिणी दिल्ली पत्रकार संघ के पदाधिकारियों का दिवाली मिलन समारोह में स्वागत-सम्मान किया। इस मौक़े पर उन्होंने कहा कि दीपावली मिलन का कार्यक्रम साउथ दिल्ली पत्रकार संघ के साथ एक सफल आयोजन है।

**बता दें कि दिवाली मिलन समारोह**

दिल्ली स्टडी ग्रुप द्वारा आयोजित किया गया।दिल्ली स्टडी ग्रुप एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ विजय जौली द्वारा अपनी टीम और साउथ दिल्ली पत्रकार संघ के साथ मनाया। उन्होंने मंगल बाजार रोड, संगम विहार कार्यालय पर दिवापली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दिल्ली स्टडी ग्रुप के संयुक्त सचिव सुभाष नागर पूर्व प्रत्याशी सहित उनकी टीम भी मौजूद रही।

बता दें साउथ दिल्ली पत्रकार संघ को डॉ विजय जौली ने निमंत्रण पत्र भेजकर दीपावली मिलन समारोह के लिए आमंत्रित किया था,जिसको संगठन के अध्यक्ष राजनारायण मिश्रा ने स्वीकार किया और साउथ दिल्ली पत्रकार संघ की कार्यकारणी एवं सदस्यों के साथ दीपावली मिलन समारोह में पहुंचे। दिल्ली स्टूडी ग्रुप द्वारा समारोह में पत्रकार को पटका और उपहार के साथ दीपावली मिलन की हार्दिक शुभकामनाएं दी गई।इस अवसर पर डॉ विजय जौली ने कहा कि पत्रकारों की समाज में एक अहम भूमिका होती है जो सरकार एवं समाज के मुद्दों को जन-जन तक पहुंचाते है। अपनी बुलंद आवाज और कलम के साथ समाज को जागरूक करते हैं। उन्होंने संगठन को अपना समर्थन एवं सहयोग दिया और सभी पत्रकारों को दीवाली की अग्रिम शुभकामनाओं के साथ बधाई भी दी। उन्होंने कहा कि हमें पूर्ण विश्वास है कि जिस उद्देश्य से यह संगठन बना है उन पर अमल करते हुए संगठन अध्यक्ष राजनारायण मिश्रा के नेतृत्व में दक्षिणी दिल्ली में अपनी एक पहचान बनाएगा और पत्रकारों के हितों की रक्षा करते हुए सभी को जोड़कर एकसूत्र में पिरोएगे साथ ही सरकार एवं जनता की आवाज बनकर बुलंदी के साथ उनके मुद्दों को संगठन उठाते रहेगा और निष्पक्ष होकर पत्रकारिता का धर्म निभायेगे। इस मौक़े पर भाजपा के वरिष्ट नेता डॉ विजय जौली ने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ ही नहीं बल्कि अभिन्न अंग है।

दीपावली मिलन समारोह में भारी संख्या में साउथ दिल्ली पत्रकार संघ की मौजूदगी रही। इस अवसर पर अध्यक्ष राजनारायण मिश्रा ने डॉ विजय जौली का धन्यवाद किया कि उन्होंने दीपावली मिलन समारोह में पत्रकारों को सम्मान दिया और साथ ही सभी का हौसला भी बढ़ाया इसके लिए समस्त टीम की ओर से आभार एव धन्यवाद और विश्वास दिलाते है कि पत्रकारिता का धर्म निभाते हुए बुलंदी के साथ मुद्दों को उठाएंगे और जनता की आवाज बनकर दक्षिणी दिल्ली में कार्य करेंगे अजीत कुमार ने कहा कि डॉ विजय जौली एक सुलझे हुए सामाजिक एवं राजनीतिक के अनुभवी नेता है। जिस प्रकार से उन्होंने साउथ दिल्ली पत्रकार संघ को मान सम्मान दिया उसके लिए उनकी पूरी टीम का हम धन्यवाद करते है और उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उनको शुभकामनाओं के साथ दीपावली मिलन के सफल कार्यक्रम के लिए भी धन्यवाद करते है।साउथ दिल्ली पत्रकार संघ को बने हुए अभी सिर्फ डेढ़ महीना ही हुआ है लेकिन जिस प्रकार से अध्यक्ष राजनारायण मिश्रा के नेतृत्व में संगठन मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा है और पत्रकारों के हितों के लिए कार्य कर रहा है। उम्मीद है संगठन साउथ दिल्ली में अपनी एक पहचान बनाएगा और एकता का संदेश देते हुए पत्रकारों को एक सूत्र में पिरोने में अहम भूमिका निभाएगा।

साउथ दिल्ली पत्रकार संघ ने जिस प्रकार से दीवाली मिलन समारोह में अपनी एकता का परिचय दिया और संगठन के दिशा निर्देशों को पालन किया दर्शाता है कि संगठन एकजुटता के साथ आगे बढ़ रहा है और मजबूती के साथ दक्षिणी दिल्ली में अपनी पहचान बनाता हुआ नजर आ रहा है।कार्यक्रम में पत्रकार संघ के अध्यक्ष राजनारायण मिश्रा के साथ आश मुहम्मद, बंसी लाल, रियासत अली, दीपक कुमार, गिरीश कुमार, अजीत कुमार, स्वतंत्र सिंह भुल्लर, बिना देवी, रमेश चंद मोहंती, शरद कुमार,साहिल संभव, कुन्दन, दीप सिलोड़ी, जितेंद्र कुमार,मनोज कुमार, महेश सुब्रह्मण्यम, अब्दुल वाजिद, मोहमद वसीम फ़िरोज़, मनोज, अखिलेश गुप्ता, शमीम आलम, रविन्द्र कुमार, मनोज कुमार, सायना सैफी आदि मौजूद थे।

# विद्यानगर खेल मैदान में स्वर्गीय कृष्णमोहन मालाह फुटबॉल नॉक-आउट टूर्नामेंट का भव्य फाइनल मैच हजारों दर्शकों की उपस्थिति में खेला गया

### ● कड़ी टक्कर के बाद टाईब्रेक में विजयी हुए कृपानाथ मालाह एफसी।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**श्रीभूमि-** खेलकूद स्वास्थ्य संबंधी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यही कारण है कि अब भी ग्रामीण क्षेत्रों में खेलकूद शहरों की तुलना में अधिक और आकर्षक है। इसमें फुटबॉल खेल सभी का सबसे प्रिय खेल है। श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर विधानसभा के विद्यानगर खेल मैदान में हर साल की तरह इस बार भी भव्य फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। गत 10 सितंबर से शुरू हुआ स्वर्गीय कृष्णमोहन मालाह की स्मृति में आयोजित नॉक-आउट फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मैच आयोजित किया गया। इस भव्य फुटबॉल टूर्नामेंट में कुल 16 टीमें भाग लिया था। गत 12 अक्टूबर को फाइनल मैच में कार्यक्रम में पहले स्वर्गीय कृष्णमोहन मालाह, लोकप्रिय कलाकार जुबिन गर्ग और 44 असम राइफल के बटालियन विजय ग्वाला की प्रतिमा चित्र में श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ-साथ पुष्पांजलि भी चढ़ाकर उनका सम्मान किया गया।मुख्य अतिथियों में श्रीभूमि के लोकप्रिय सांसद कृपनाथ मालाह उपस्थित थे। भव्य फुटबॉल फाइनल मैच में भाग लेने वाली दो टीमें कृपनाथ मालाह एफसी और फकीरा ग्राम एफसी थीं। दोनों टीमों का उत्कृष्ट खेल दर्शकों ने आनंद से देखा।उपस्थित हजारों दर्शक। पहली और दूसरी पारी की कड़ी टक्कर के बाद अंत में टाईब्रेक में जीत हुए कृपनाथ मालाह एफसी का हुआ। इस खेल का आनंद लेने के लिए बहुत सारे दर्शक जमा हुए। इस क्षेत्र के लोगों में फुटबॉल के प्रति इतनी रुचि विद्यानगर खेल मैदान में दिखाई दी है। इस दिन मेहमानों में श्रीभूमि के लोकप्रिय सांसद कृपनाथ मालाह, श्रीभूमि जिले के डीसी प्रदीप कुमार द्विवेदी, और हाइलाकांडी जिले के डीसी अभिषेक जैन, और हाइलाकांडी जिले के एसपी अमिताभ सिन्हा और विद्यानगर बागान के मैनेजर प्रभास चक्रवर्ती समेत क्षेत्र के विशिष्ट व्यक्तित्व उपस्थित थे खेल कार्यक्रम में उन सभी को को गमछा पहनाकर सम्मानित किया गया। इस बीच लोकप्रिय सांसद कृपनाथ मालाह ने खिलाड़ियों के साथ बातचीत की और हाथ से हाथ मिलाया, खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया और उनके प्रदर्शन की प्रशंसा की. विद्यानगर यूथ क्लब द्वारा आयोजित नॉकआउट फुटबॉल टूनार्मेंट में कहा कि हजार हजार दर्शकों के बीच खेल देखने में आनंद और बहुत अच्छा लगा और हजारों दर्शकों को देखकर बहुत खुशी मिला। खिलाड़ियों का उत्साह और दर्शकों का उल्लास मिलकर एक जीवंत माहौल बना और भविष्य में खेल देखने के लिए दर्शकों को कोई कठिनाई नहीं होगी क्योंकि इस खेल मैदान को सुंदर और परियोजना के माध्यम से और उन्नत किया जाएगा, और वर्ष की खेल शुरू होने से पहले काम समाप्त होकर खेल मैदान की सुंदरता और बढ़ जाएगी और मैदान को बड़ा करने के लिए कुछ जगह की आवश्यकता है। उस विषय में जगह के मालिक ने कहा कि वह खेल प्रेमियों के लिए दान देंगे। कृपानाथ मालाह ने आगे कहा कि इस टूर्नामेंट का आयोजन मेरे सम्माननीय पिता स्वर्गीय कृष्णमोहन मालाह की स्मृति में किया गया है, इसलिए यह क्षण मेरे लिए विशेष भावुक और अद्वितीय था। सभी स्तरों के लोगों सहित अधिकारियों का हार्दिक धन्यवाद और कृतज्ञता सहित अभिनंदन किया। खेल को सुचारू रूप से संपन्न करने के लिए विद्यानगर मैदान में स्वर्गीय कृष्णमोहन माला फुटबाल नॉक-आउट पूरे टूर्नामेंट के आयोजकों में शामिल थे विद्यानगर यूथ क्लब के अध्यक्ष, अशुतोष ग्वाला, सचिव, बज्रगोपाल सिन्हा, कोषाध्यक्ष अब्दुल जलिल तालुकदार, सदस्य ऐनुल हक, अभिजीत बारई, सलिम उद्दीन, सब्बीर अहमद और स्थानीय लोग मौजूद थे खेल कार्यक्रम में. आयोजक की ओर से खेल में शांति और अनुशासन बनाए रखने में अथक परिश्रम के लिए छ्त्रक्क्न और पुलिस प्रशासन को गमछा पहनाकर सम्मानित किया गया और धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

# "विद्या वाचस्पति सम्मान से अलंकृत साहित्यकार चन्द्रशेखर प्रजापति का सिधौली में हुआ भव्य अभिनंदन"

### ● गूंजे कवि-स्वरों की अनुगूंज, डॉक्टर चन्द्रशेखर प्रजापति का सम्मान बना सिधौली की सांस्कृतिक गौरवगाथा"

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**सिधौली (सीतापुर)।** उत्तराखंड संस्कृत अकादमी, हरिद्वार द्वारा "विद्या वाचस्पति (Ph.D.)" सम्मान से अलंकृत किए जाने पर साहित्यकार चन्द्रशेखर प्रजापति का स्वामी विवेकानंद सामाजिक सेवा संस्थान, सिधौली में भव्य अभिनन्दन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के संस्थापक एवं अध्यक्ष आर. डी. वर्मा ने की, जबकि संयोजन का दायित्व पैरा कमांडो लवकुश यादव ने और संचालन डॉ. देवेंद्र कश्यप 'निडर' ने कुशलतापूर्वक निभाया। वक्ताओं ने चन्द्रशेखर प्रजापति को हार्दिक बधाई देते हुए उनके साहित्यिक, शैक्षणिक एवं सामाजिक योगदान को समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया। इस अवसर पर आयोजित काव्य गोष्ठी में कवयित्री पिंकी प्रजापति, प्रवक्ता विनोद रावत, समाजसेवी पूजा वर्मा और अन्य रचनाकारों ने अपनी प्रभावशाली कविताओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया।

समाजसेवी एवं ग्राम पंचायत अधिकारी नीतू वर्मा ने अपने मधुर कंठ से लोकगीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम को सुरमय बनाया और अपने प्रेरणादायी विचारों से जनमानस को उत्साहित किया। अरविंद प्रजापति ने अपने उद्बोधन में डॉक्टर चन्द्रशेखर प्रजापति को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह में क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक, साहित्यप्रेमी एवं पत्रकार उपस्थित रहे, जिनमें मान्यता प्राप्त पत्रकार क़ाज़ी जामी, विल्सन खान, तथा नव वेलफेयर सेवा समिति के सचिव इमरान मंसूरी विशेष रूप से उल्लेखनीय रहे। समापन अवसर पर अध्यक्ष आर. डी. वर्मा ने सभी अतिथियों के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि "ऐसे आयोजन साहित्य, समाज और संस्कृति के सशक्त समन्वय का प्रतीक हैं, जो युवाओं को रचनात्मकता और सकारात्मकता की दिशा में प्रेरित करते हैं।" कार्यक्रम में स्नेह, उत्साह और साहित्यिक सौहार्द का अद्भुत वातावरण देखने को मिला, जिसने सिधौली की सांस्कृतिक पहचान को और सशक्त बनाया।

# भोलेनाथ शिव जी की कृपा से संघ अपने व्रत को पूर्ण करते हुए भारत माता को परम वैभव पर ले जाएं- शिव साधिका साधना बाजपेई

### ● पंच परिवर्तन के बल पर भारत बनेगा विश्व गुरु व विश्व शक्ति- विकल्प

### आर एस एस श्रीराम बस्ती द्वारा विजयादशमी उत्सव पर आयोजित किया गया पथ संचलन कार्यक्रम।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**बिसवां सीतापुर** पंच कैलाशी शिव साधिका साधना बाजपेई ने आर एस एस द्वारा विजयादशमी उत्सव पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी के लिए आर एस एस के 100 वर्ष पूर्ण होने पर बहुत ही सौभाग्य शाली क्षण हैं, जिसके हम सभी सहभागी बन रहे हैं। उन्होंने भगवा ध्वज को प्रणाम करते हुए कहा कि डॉ हेडगवार व गुरु जी के सपनों को साकार करने में पंच परिवर्तन के बल पर भारत विश्व गुरु और विश्व शक्ति बनेगा। उन्होंने कहा कि भोलेनाथ शिव जी से प्रार्थना करती हूं कि संघ निरन्तर अपने लिए गए व्रत को पूर्ण करते हुए भारत माता को परम वैभव पर ले जाने में सफ़ल रहे। पंच परिवर्तन में समरसता, स्वबोध, पर्यावरण,कुटुम्ब प्रबोधन व कर्तव्य बोध की बात कही गई है जिसे प्रत्येक भारतीय को अपने आचरण और व्योहार में उतारना है। उक्त उदगार आर एस एस सह जिला प्रचारक विकल्प ने संघ के शताब्दी वर्ष के अंतर्गत सेठ जय दयाल इंटर कालेज बिसवा के प्रागंण में श्रीराम बस्ती द्वारा आयोजित विजयादशमी उत्सव के अवसर पर व्यक्त किए। उन्होंने कहा संघ कोई संस्था, आंदोलन अथवा अभियान नहीं है वरन् शाखा पद्धति के माध्यम से प्रत्येक भारतीय नागरिक में देशभक्ति अनुशासन व कर्तव्य बोध जगाने हेतु प्रयत्नशील है।

संघ 51हजार स्थानों पर 83 हजार दैनिक शाखाओं के माध्यम से राष्ट्र जागरण का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि संघ विश्व का सबसे बड़ा आत्मनिर्भर स्वयंसेवी संगठन है।इसी कारण जब जब संघ पर राजनीतिक कारणों से प्रतिबंध लगाये गये वह संकटों से उबर कर चौगुनी ताकत से आगे बढ़ा और प्रतिबंध लगाने वालों को मुंहकी खानी पड़ी। यही नहीं तो देश और समाज पर आई विपदाओं आपदाओं और संकटों के समय संघ के स्वयंसेवक बिना किसी जाति संप्रदाय अथवा दलगत भेदभाव के राहत व बचाव कार्य में प्राण पण से जुटे रहे। उन्होंने कहा कि संघ के 80 से अधिक संविचारी स्वतंत्र संगठन हैं जो अपने अपने कार्य -क्षेत्र में कार्य करते हुए यशश्वी हो रहे हैं। उन्होंने सभी उपस्थित नागरिकों का आह्वान करते हुए कहा कि कि आप सभी जन अपने निकट की शाखा से जुडकर संघ कार्य में सहभागी बनें। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंच कैलाशी शिव साधिका साधना बाजपेई,नगर संघ चालक राजेश सिंह, जिला प्रचारक सुरेन्द्र,सह जिला प्रचारक विकल्प,नगर प्रचारक ओमजी ने प्रभु श्रीराम व शस्त्र की विधिवत पूजा अर्चना की। कार्यक्रम का संचालन नगर कार्यवाह चन्दन रस्तोगी ने किया। संघ की प्रार्थना व ध्वजावतरण के पश्चात गणवेश धारी स्वयं सेवकों का पथ संचलन नगर में निकाला गया। पथ संचलन का शुभारंभ श्रीराम बस्ती स्थित सेठ जय दयाल इंटर कालेज बिसवा से हुआ। संघ के स्वयंसेवक कदम ताल करते हुए छोटा चौराहा, मंगरहिया बाज़ार, हजीरा, मिल्की टोला, रायगंज, सब्जी मंडी, बड़ा चौराहा, पोस्टर चौराहा होते हुए बस स्टेशन पहुंचा, फिर वहां से बाल्मिकी मंदिर, रामलीला मेला मैदान, गायत्री मंदिर, मां कालिका देवी मंदिर कैथी टोला से होते हुए पथ संचलन का सेठ जय दयाल इंटर कालेज पर समापन हुआ। पथ संचलन का नगर में अलग अलग स्थानों पर नगर वासियों द्वारा पुष्प वर्षा करके भव्य स्वागत किया गया। प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली बिसवा मुकुल प्रकाश वर्मा के कुशल नेतृत्व में पुलिस बल ने मुस्तैद रहते हुए आर एस एस के पथ संचलन कार्यक्रम को सकुशल रूप से सम्पन्न कराने में अहम भूमिका का निर्वहन किया है।